जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 51 संख्याः 246 प्रभात कोटा, शनिवार 20 जून, 2026 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

राहुल अब मुस्कुराकर स्वीकार कर रहे हैं कि वे प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार हैं

उनके आत्मविश्वास का प्रतीक है कि अब वो अपना जन्म दिन कांग्रेसियों के साथ मनाने में अटपटा महसूस नहीं करते हैं

- पूर्व में राहुल गांधी प्रायः अपने जन्म दिन पर विदेश चले जाते थे, जिसे लेकर राजनीति के प्रति उनकी गंभीरता पर सवालिया निशान लगते थे।
- लेकिन, इस बार राहुल गांधी ने अपने जन्म दिन पर दो घंटे कांग्रेस कार्यालय में बिताए, कार्यकर्ताओं और नेताओं की भारी भीड़ उमड़ी, उत्सव जैसा माहौल देखा गया।
- विपक्ष में भी राहुल के नेतृत्व के प्रति स्वीकार्यता बढ़ रही है। शरद पवार, अब उतने ताकतवर नहीं रहे, वे तो अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय तक करना चाहते हैं।
- राहुल के नेतृत्व के लिए हमेशा चुनौती बनी रहीं, ममता बनर्जी भी चुनाव हारने के बाद अपनी पार्टी को बिखरने से बचाने में जुटी हैं।
- सपा और आरजेडी का नया नेतृत्व, अखिलेश एवं तेजस्वी यादव, राहुल के साथ बेहद सहज नज़र आते हैं।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जून। राहुल गांधी के 56 वर्ष पूरे होने के साथ ही, बीता एक वर्ष राजनीतिक परिदृश्य में कई बड़े बदलाव लेकर आया है। उनकी राजनीतिक यात्रा में मौजूद कई बाधाएं, चाहे कांग्रेस के भीतर हों या विपक्षी खेमे में, अब काफी हद तक दूर होती दिखाई दे रही हैं। वे अब इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए सबसे अधिक स्वीकार्य चेहरे के रूप में उभर रहे हैं।

राहुल गांधी अक्सर अपने जन्मदिन के अवसर पर विदेश यात्रा पर रहते थे और सार्वजनिक रूप से कम ही दिखाई देते थे। लेकिन इस वर्ष उन्होंने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) कार्यालय में लगभग दो घंटे बिताए, जहां उन्होंने नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच जन्मदिन का केक काटा।

अकबर रोड के आसपास का पूरा इलाका गाड़ियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से खचाखच भरा हुआ था, जिससे सामान्यत: शांत रहने वाले पार्टी कार्यालय में उत्सव जैसा माहौल बन गया था।

विपक्षी राजनीति में भी अब राहुल गांधी के लिए रास्ता काफी हद तक साफ हो गया है और वे ऐसे नेता के रूप में उभर रहे हैं जो पूरे विपक्षी मोर्चे का नेतृत्व कर सकते हैं।

मजबूत मराठा नेता शरद पवार अब राजनीतिक रूप से कमजोर स्थिति में दिखाई दे रहे हैं। यहां तक कि उन्होंने अपनी पार्टी के कांग्रेस में विलय के संकेत भी दिए हैं।

ममता बनर्जी, जो पहले राहुल गांधी को स्वीकार नहीं कर पाती थीं, चुनाव हार चुकी हैं और अपनी पार्टी को टूटने और समाप्त होने से बचाने में लगी हुई हैं। हाल के दिनों में उन्हें सोनिया गांधी के साथ भावुक होते हुए भी देखा गया है। एम. के. स्टालिन, जिन्होंने पहले राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार बताया था, चुनाव हार चुके हैं। वे कांग्रेस द्वारा विजय की पार्टी को समर्थन देने को धोखा बता रहे हैं और इससे नाराज़ भी हैं, लेकिन कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन से संबंध तोड़ने को तैयार नहीं हैं।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

फुटपाथ पर सुरक्षित चलना पैदल यात्रियों का मौलिक अधिकार -सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 19 जून। उच्चतम न्यायालय ने एक अहम फैसले में कहा है कि फुटपाथ पर सुरक्षित चलना मौलिक अधिकार है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि नगर निगम, नगरपालिका और विकास प्राधिकरणों की जिम्मेदारी है कि वे सुरक्षित और स्पष्ट रुप से चिन्हित फुटपाथ उपलब्ध कराएं। अगर ऐसा नहीं किया जाता है, तो नागरिक संवैधानिक और कानूनी उपायों के जरिये मुआवजा मांग सकते हैं।

कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वो पैदल यात्रियों के अधिकारों

- यदि सुरक्षित व चिन्हित फुटपाथ उपलब्ध नहीं कराये जाते तो नागरिक मुआवजा मांग सकते हैं।

की रक्षा के लिए अलग कानूनी ढ ांचा तैयार करने पर विचार करे। कोर्ट ने कहा कि सड़कों पर मोटर वाहनों की आवाजारी से पहले पैदल चलने वालों के अधिकारों को महत्व दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने मोटर वाहन दुर्घटना से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान ये दिशा-निर्देश दिए। मामले में एक पिता ने अपने पांच साल के बेटे को खो दिया था। उच्चतम न्यायालय ने मुआवजे की रकम बढ़ ाकर 11,44,628 रुपये करने का आदेश दिया।

स्टालिन ने भी राहुल गांधी को जन्म दिन की बधाई दी

यह इस बात का प्रतीक है कि विपक्षी राजनीति में राहुल का स्टेटस बढ़ रहा है और स्टालिन का रुतबा घट गया है

- तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अभिनेता विजय की पार्टी के जीतने के बाद, कांग्रेस ने जिस तरह से विजय को समर्थन दिया और सरकार में शामिल हुई, उस पर स्टालिन काफी नाराज़ थे।
- स्टालिन ने लोकसभा में अपनी पार्टी सांसदों को अलग बिठाने की मांग तक कर डाली और वे इंडिया ब्लॉक की बैठक में भी नहीं आए थे।
- पर, स्टालिन द्वारा राहुल गांधी को जन्म दिन की बधाई देने से लगता है कि वे भले ही नाराज़ हों, पर, विपक्षी गठबंधन में बने रहना चाहते हैं।

-सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एम. के. स्टालिन द्वारा इस वर्ष कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दी गई जन्मदिन की शुभकामनाओं में, पिछले वर्ष की तुलना में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक कहानी छिपी है।

इस वर्ष स्टालिन ने राहुल गांधी को "विपक्ष के नेता" कहकर संबोधित किया, जबकि 2025 में उन्होंने तत्कालीन तमिलनाडु मुख्यमंत्री रहते हुए "विचारधारा से मेरे भाई" (ब्रदर्स इन आइडियल्स) शब्द का प्रयोग किया था।

राजनीति में एक वर्ष वास्तव में बहुत लंबा समय होता है, और इसे सबसे बेहतर वही लोग जानते हैं, जो इन दोनों नेताओं की तरह, इसके गवाह रहे हैं। इस दौरान काफी कुछ बदल गया है, हालांकि एक हल्की उम्मीद अब भी बनी हुई है क्योंकि स्टालिन धर्मनिरपेक्षता, संघवाद और संवैधानिक मूल्यों की राह पर दृढ़ बने हुए हैं। पिछले वर्ष और इस वर्ष के बीच सबसे बड़ा अंतर हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में डीएमके की हार है।

जब स्टालिन ने पिछले वर्ष राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दी थीं, तब उन्होंने राहुल को सम्बोधित करते हुए लिखा था, विचारधारा से मेरे भाई, जो खून से नहीं, बल्कि विचार, दृष्टि और उद्देश्य से जुड़े हैं।" उन्होंने आगे लिखा था- "आप इसी तरह दृढ़ रहें और साहस के साथ नेतृत्व करते रहें। एक उज्ज्वल भारत की ओर हमारी इस यात्रा में जीत हमारी होगी। स्टालिन की उस पोस्ट में गर्मजोशी और निकटता झलकती थी।

इसके विपरीत, आज स्टालिन की जन्मदिन शुभकामना में वह गर्मजोशी और निकटता गायब थी। उन्होंने लिखा: माननीय विपक्ष के नेता थिरु. राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ। आपके लिये अच्छे स्वास्थ्य और खुशी की कामना।

दोनों पोस्टों में शब्दों के चयन से कांग्रेस-डीएमके संबंधों की कहानी स्पष्ट होती है। जो पहले व्यक्तिगत और मित्रतापूर्ण था, वह अब औपचारिक और प्रोफेशनल हो गया है, हालांकि दोनों के बीच संचार चैनल को बनाए रखने की इच्छा अभी भी दिखाई देती है।

राहुल गांधी ने अपने उत्तर में डीएमके के प्रति सुलह का संकेत देते हुए मेल-मिलाप का संदेश दिया। स्टालिन का धन्यवाद करते हुए उन्होंने

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'राम मंदिर के चढ़ावे की "हैंडलिंग" में भारी गड़बड़ियां हैं'

प्र.मंत्री मोदी के प्रधान सचिव नृपेन्द्र मिश्रा ने कहा, चढ़ावे की "हैंडलिंग" में ना ईमानदारी रखी गई है, ना सतर्कता बरती गई है

- इसी बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंततः इस विवाद पर चुप्पी तोड़ी और कहा कि सच सामने लाने के लिए एसआईटी को 15 दिन का समय दिया जाए।
- इस विवाद को लेकर भाजपा में भारी अफरा तफरी मची है। कांग्रेस और सपा ही नहीं खुद भाजपा के नेताओं ने राम मंदिर के चढ़ावे के प्रबंधन में भारी गड़बड़ी का आरोप लगाया है। सांसद बृज भूषण शरण सिंह ने कहा, उन्हें चढ़ावे मेंक चोरी की जानकारी है, एक अन्य नेता राजेश सिह ने इस बारे में प्र.मंत्री को पत्र लिखा।
- हालांकि, राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि फंड चोरी का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जून। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को आखिरकार राम मंदिर के दान में कथित गबन के आरोपों पर अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा कि सच्चाई सामने लाने के लिए विशेष जांच दल (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम-एसआईटी) को 15 दिन का समय दिया जाए। लेकिन, राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्रा, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पूर्व प्रधान सचिव रह चुके हैं, ने मंदिर प्रबंधन व्यवस्था में पूरी तरह सुधार की मांग की है। उनका कहना है कि दान राशि के कथित दुरुपयोग के विवाद ने निगरानी और जवाबदेही की गंभीर कमियों को उजागर कर दिया है।

राज्य विधानसभा चुनाव अब केवल कुछ ही महीने दूर हैं और अयोध्या मंदिर से जुड़ा यह विवाद

(शेष पृष्ठ 5 पर)

शासन सचिव अंबरीश कुमार पर दुबारा जमानती वारंट जारी

जयपुर, 19 जून। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग के शासन सचिव अंबरीश कुमार को दूसरी बार जमानती वारंट से तलब किया है।

- गत 8 जून को पहला जमानती वारंट जारी हुआ था, पर कार्यालय बंद होने से कारण तामील नहीं हो पाई।

अधिकरण की न्यायिक सदस्य पूनम दरगन और सदस्य प्रकाश चंद्र शर्मा की बेंच ने यह जमानती वारंट सरोज मीणा की ओर से दायर प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए जारी किया गया।

अदालत ने सम्मन के बावजूद पेश नहीं होने पर अंबरीश कुमार को 8 जून

(शेष पृष्ठ 5 पर)

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता फेल हुई

स्विट्ज़रलैण्ड में शांति पैक्ट पर साईन होने वाले थे, लेकिन ईरान के पीछे हटने से अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस ने जिनेवा दौरा रद्द किया

- हिज़्बुल्लाह ने गुरुवार को एक हमले में चार इज़रायली सैनिकों को मार दिया, उसके बाद इज़रायल में भारी गुस्सा है और जवाबी कार्यवाही में लेबनान के 18 नागरिक मारे गए।
- इन हमलों को ईरान ने शांति पैक्ट का उल्लंघन बताया और लेबनान पर हमला रोकने को वार्ता की पहली शर्त करार देते हुए जिनेवा वार्ता से खुद को दूर कर लिया।
- क्षेत्रीय राजनैतिक विश्लेषकों का कहना है कि इज़रायल और हिज़्बुल्लाह दोनों को लगता है कि शांति वार्ता से उन्हें जानबूझकर अलग रखा गया है। इज़रायल चाहता था कि उसे वार्ता मे शामिल किया जाए, वहीं हिज़्बुल्लाह को भी लगता है कि शांति वार्ता में ईरान ने उसके हितों की अनदेखी की है।
- शांति वार्ता फेल होने से एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता का माहौल बन गया।
- बताया जाता है कि 14 सूत्रीय शांति समझौते में ईरान द्वारा न्यूक्लियर कार्यक्रम आगे नहीं बढ़ाने, ईरानी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, अमेरिका द्वारा सभी प्रतिबंध हटाने जैसे बिंदू शामिल हैं।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जून। एक छोटे से आतंकी समूह, हिज़्बुल्लाह, के कारण फारस की खाड़ी में युद्ध समाप्त करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था को सामान्य स्थिति में लाने के लिए अमेरिका-ईरान समझौते को अंतिम रूप देने की जो प्रक्रिया चल रही है, उसमें अवरोध आ गया है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे. डी. वेंस स्विट्ज़रलैंड जाकर तकनीकी वार्ताओं को अंतिम रूप देने वाले थे, ताकि अमेरिका-ईरान समझौता पूरा किया जा सके। लेकिन लेबनान में हिज़्बुल्लाह द्वारा की गई हिंसा ने इस समझौता प्रक्रिया को बाधित कर दिया।

हिज़्बुल्लाह कई देशों में फैला एक मिलिशिया ग्रुप है, जिसने वर्षों से लेबनानी सरकार को चुनौती दे रखी है और इसे मध्य पूर्व क्षेत्र में ईरान के गुप्त और कभी-कभी खुले अभियानों का विस्तार माना जाता है। ईरान हिज़्बुल्लाह को धन, संसाधन और हथियारों से सहायता देता रहा है।

हिज़्बुल्लाह ने गुरुवार को हमला किया, जबकि वार्ताएँ निर्धारित की जा रही थीं, हमले में लेबनान में चार इज़रायली सैनिकों की मौत हो गई। जवाब में, इज़राइल ने सैन्य कार्रवाई की,

(शेष पृष्ठ 5 पर)

विचार बिन्दु

जो मनुष्य एक पाठशाला खोलता है वह एक जेलखाना बंद करता है। –अज्ञात

बदलता राजस्थान: शिक्षा का नया मॉडल

राजस्थान, अपनी सांस्कृतिक विरासत, रेगिस्तानी परंपराओं और विविध भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद, लगातार बदलते सामाजिक और आर्थिक परिदृश्यों के बीच अब शिक्षा के नए मॉडल की ओर अग्रसर है। परंपरागत रूप से यहाँ की शिक्षा ने लोकजीवन, हस्तशिल्प और पारंपरिक ज्ञान को संरक्षण दिया है, परन्तु आज की आवश्यकता है कि वही विरासत आधुनिक शिक्षा के साथ मेल खाए ताकि युवा प्रतिभा वैश्विक प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ स्थानीय संवेदना और पहचान को भी बनाए रखे। राजस्थान में शिक्षा का नया मॉडल इसी संतुलन का परिणाम है: एक ऐसा मॉडल जो कौशल-प्रधान, क्षेत्रीय-संवेदनशील और तकनीक-सक्षम शिक्षा को प्राथमिकता देता है, साथ ही सामाजिक समावेशन और स्थायी विकास के लक्ष्यों को केन्द्र में रखता है।

नया मॉडल स्थानीयता और ग्लोबलाइज़ेशन के बीच पुल का काम करता है। इसके मूलभूत तत्वों में पाठ्यक्रम का संदर्भीकरण, व्यावहारिक कौशलों का समावेश, बहुभाषिक शिक्षा, तथा सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) का समुचित उपयोग शामिल है। राजस्थान की ग्रामीण तथा शहरी इकाइयों में भिन्न-भिन्न आवश्यकताएँ हैं; इसलिए मॉडल में अनुकूलन की गुंजाइश दी गई है ताकि प्रत्येक जिला, ब्लॉक और गाँव अपनी भौगोलिक, आर्थिक व सांस्कृतिक आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण तैयार कर सकें। उदाहरण के लिए, ठेठ ग्रामीण क्षेत्र में जल-संवर्धन, वैकल्पिक कृषि तकनीकें व स्थानीय हस्तशिल्प को पाठ्यचर्या में शामिल किया जा सकता है, जबकि शहरी केंद्रों में आईटी, डिज़ाइन और स्टार्टअप उद्यमिता पर जोर होगा। इस तरह शिक्षा युवाओं को न केवल नौकरी की तैयारी कराती है बल्कि उन्हें स्थानीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक योगदान देने योग्य भी बनाती है।

नए मॉडल का एक प्रमुख स्तंभ कौशल आधारित शिक्षा है। पारंपरिक शैक्षणिक परिणाम जैसे अंक और डिग्रियाँ आवश्यक तो हैं परन्तु आज रोजगार बाजार में सफलता का आधार तकनीकी, संचार एवं समाधान-उन्मुख कौशल हैं। राजस्थान सरकार और निजी संस्थाएँ मिलकर वोकैशनल ट्रेनिंग, इंटर्नशिप और उद्योग-विद्यालय साझेदारियों को बढ़ावा दे रही हैं। स्कूलों में प्रारंभिक वर्ष से ही प्रोजेक्ट-आधारित लर्निंग तथा समकालीन कौशलों (डिजिटल साक्षरता, समस्या-समाधान, उद्यमशीलता) का समावेश किया गया है ताकि विद्यार्थी शीघ्रता से प्रयोगात्मक शिक्षा के माध्यम से कार्यक्षमता विकसित कर सकें। इससे नयी पीढ़ी को स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार और सूक्ष्म उद्यम शुरू करने की प्रेरणा और प्रशिक्षण दोनों मिलते हैं।

शिक्षक-शक्ति का पुनरुद्धार नए मॉडल का अगला महत्वपूर्ण पक्ष है। राजस्थान में शिक्षकों को सिर्फ विषय-ज्ञान नहीं बल्कि मार्गदर्शन, व्यक्तित्व-निर्माण और क्षेत्रीय आवश्यकताओं को दर्शाने वाले प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। शिक्षकों को सामुदायिक नेताओं के रूप में देखा जा रहा है वे बच्चों के साथ-साथ अभिवावकों को भी शिक्षा के महत्त्व और नवीन पद्धतियों के प्रति समेकित करते हैं। यह बदलाव शिक्षण को केवल कक्षाकक्षीय गतिविधि से निकालकर एक समुदाय-समावेशी अभियान बनाता है, जहाँ शिक्षक स्थानीय सांस्कृतिक विधाओं, पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक कौशलों के मध्य संपर्क स्थापित करें।

तकनीकी शिक्षा संस्थान जब कला, साहित्य व संगीत जैसे क्षेत्रों पर काम करते हैं तो यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि हमारी पुरातन परंपराओं का आदर करने वाली एक नई पीढ़ी सशक्त हो रही है। आधुनिक तकनीकी ज्ञान और शिल्पीय कौशल के साथ सांस्कृतिक एवं कलात्मक संवेदनशीलता जोड़ने की यह दिशा नई शिक्षा नीति के मूल सिद्धांतों से मेल खाती है, जो बहुआयामी शिक्षा, क्रॉसडिसिप्लिनरी लर्निंग और स्थानीय ज्ञान के संरक्षण पर जोर देती है। महेश स्वामी जैसे विचारक और मार्गदर्शक, जिनकी सोच में परंपरा और नवाचार का संयोजन है, उन युवा मनों में जिजीविषा जगाते हैं जो तकनीक को सिर्फ उपकरण के रूप में नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और सामाजिक परिवर्तन के साधन के रूप में देखते हैं। जब संस्थान तकनीकी पाठ्यक्रमों में संगीत, लोककथाएँ, लोकहस्तकला और साहित्य को शामिल करते हैं, तो विद्यार्थी तकनीकी समस्याओं के समाधान में मानवीय और संवेदनशील दृष्टिकोण लाते हैं, स्थानीय समृद्ध संसाधनों और पारंपरिक ज्ञान को नई विधियों से पुनर्जीवित करते हैं, और रोजगार व उद्यमशीलता के नये रास्ते खोलते हैं। नई शिक्षा नीति की भाषा में यह समावेशिता आत्मसात करना न केवल रचनात्मकता व आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करता है, बल्कि सांस्कृतिक आत्मसत्ता को भी मज़बूत बनाता है यानी तकनीकी प्रगति और सांस्कृतिक जड़ों के बीच एक जीवंत सेतु निर्मित होता है। ऐसे प्रयास न केवल विद्यार्थियों को बहुआयामी कौशल देते हैं, बल्कि समाज को भी एक ऐसी दिशा प्रदान करते हैं जहां आधुनिकता और परंपरा सहअस्तित्व में, नवोन्मेष को मानवीय अर्थ और स्थानीय प्रासंगिकता प्रदान करें।

> **राजस्थान का नया शिक्षा मॉडल एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है जो वैश्विक मानकों के साथ स्थानीय संवेदनशीलता का संयोजन करता है। यह मॉडल कौशल आधारित, बहुभाषिक, तकनीक समर्थित और सांस्कृतिक रूप से समावेशी है। यदि इसे सजीव रूप में लागू किया जाए अर्थात् नीतिगत समर्थन, समुदायिक भागीदारी और सतत निवेश के साथ तो यह न केवल शैक्षिक सुधार लाएगा बल्कि सामाजिक और आर्थिक पुनरुत्थान का भी मार्ग प्रशस्त करेगा।**

शिक्षा और स्थानीय अर्थव्यवस्था के बीच संबंध को मजबूती देने के लिए कैरियर मार्गदर्शन और स्थानीय-रोजगार मानचित्र बनाये गए हैं। युवा अब शहरों की ओर केवल नौकरियों की तलाश में नहीं भाग रहे; उन्हें स्थानीय पारंपरिक उद्योग, पर्यटन, और हरित अर्थव्यवस्था (जैसे जल प्रबंधन, अक्षय ऊर्जा) में अवसर दिखाये जा रहे हैं। स्कूलों और स्थानीय उद्योगों के बीच समन्वय से इंटर्नशिप और छोटे व्यवसाय आरम्भ करने वाले प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराये जाते हैं। इससे ग्रामीण पलायन पर नियंत्रण रहता है और स्थानीय समुदायों की आर्थिक स्वायत्तता बढ़ती है।

पाठ्यक्रम में सांस्कृतिक संरक्षण का समावेश भी इस मॉडल की विशिष्टता है। राजस्थान की लोककथाएँ, लोकसंगीत, हस्तशिल्प और पर्यावरणीय जीवन-ज्ञान को सीखने के माध्यम बनाया जा रहा है। इससे विद्यार्थियों को अपनी जड़ें जानने का अवसर मिलता है और सांस्कृतिक पर्यटन तथा हस्तशिल्प कारोबार में रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। शिक्षा अब केवल आधुनिक विज्ञान तक सीमित नहीं है; यह एक ऐसा माध्यम है जो स्थानीय पहचान को सम्मान देते हुए नवाचार को प्रोत्साहित करता है।

नवोन्मेष और अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए स्कूलों तथा कॉलेजों में सक्रिय प्रयोगशालाओं और इनोवेशन हब का निर्माण हो रहा है। छोटे स्तर पर स्टूडेंट-प्रोजेक्ट फंडिंग, मेकाथॉन और स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा रही हैं। इससे छात्रों में समस्या-समाधान की प्रवृत्ति, टीम-वर्क और वास्तविक दुनिया की नौकरी योग्य क्षमताएँ विकसित होती हैं। इसके साथ ही, उच्च शिक्षा संस्थानों में रिसर्च को स्थानीय मुद्दों जैसे जल संकट, सूखा-प्रबंधन और पारंपरिक जल संरचनाओं की आधुनिक व्याख्या पर केंद्रित किया जा रहा है।

वित्तीय और नीतिगत समर्थन का भी विशेष प्रावधान इस मॉडल में है। शिक्षा के नवाचारों के लिए अनुदान, निजी-सरकारी भागीदारी और सीएसआर फंड का उपयोग कर विशेष परियोजनाएँ चालू की जा रही हैं। यह मॉडल केवल उपरोक्त नीतियों तक सीमित नहीं है बल्कि एक लचीला फ्रेमवर्क देता है जिसे समय-समय पर स्थानीय आवश्यकताओं और तकनीकी प्रगति के अनुसार अनुकूलित किया जा सकता है। सफलता का आकलन अब केवल परीक्षाफल से नहीं बल्कि व्यावसायिक सफलता, सामुदायिक परिवर्तन तथा पर्यावरणीय संकेतकों के आधार पर भी किया जाता है।

हालांकि चुनौतियाँ अभी भी कम नहीं हैं। शिक्षकों की कमी, दूरदराज़ इलाकों में बुनियादी ढांचे की कमी, तथा सामाजिक मान्यताएँ जो कुछ समुदायों में लड़कियों की पढ़ाई पर प्रभाव डालती हैं- ये बाधाएँ बनी हुई हैं। इन चुनौतियों का सामना केवल शिक्षा नीति से नहीं बल्कि समग्र सामाजिक परिवर्तन, सामुदायिक जागरूकता और दीर्घकालिक निवेश से किया जा सकता है। इसी कारण शिक्षा के नए मॉडल में सरकार, स्थानीय समुदाय, गैर-सरकारी संस्थाएँ और निजी क्षेत्र-सभी भागीदारों की सक्रिय सहभागिता अनिवार्य मानी गई है।

राजस्थान का नया शिक्षा मॉडल एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है जो वैश्विक मानकों के साथ स्थानीय संवेदनशीलता का संयोजन करता है। यह मॉडल कौशल आधारित, बहुभाषिक, तकनीक समर्थित और सांस्कृतिक रूप से समावेशी है। यदि इसे सजीव रूप में लागू किया जाए अर्थात् नीतिगत समर्थन, समुदायिक भागीदारी और सतत निवेश के साथ तो यह न केवल शैक्षिक सुधार लाएगा बल्कि सामाजिक और आर्थिक पुनरुत्थान का भी मार्ग प्रशस्त करेगा। राजस्थान की युवा पीढ़ी, जो अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ी और वैश्विक क्षितिजों के लिए तैयार होगी, निश्चय ही राज्य को एक नया, सशक्त और आत्मनिर्भर भविष्य दे सकती है।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

यह परीक्षा है या युद्ध ?

राजेन्द्र भाणावत

मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए 3 मई, 2026 को आयोजित नीट परीक्षा, पेपर लीक होने के कारण निरस्त कर दी गई थी। अब यह पुनः 21 जून 2026 को आयोजित होने जा रही है। इस परीक्षा की तैयारी के समाचार, जिस प्रकार से मीडिया में आ रहे हैं, उससे तो ऐसा लगता है कि यह परीक्षा नहीं अपितु युद्ध की तैयारी हो रही है।

यह कहा गया है कि प्रधानमंत्री कार्यालय 21 जून को होने वाले नीट की मॉनिटरिंग अपने स्तर पर कर रहा है, जबकि इसे आयोजित करने की पूरी जिम्मेदारी एन टी ए की है। एन टी ए का तो गठन ही इस प्रकार की परीक्षाओं के आयोजन के लिए 2019 में किया गया था। क्या एक परीक्षा की मॉनिटरिंग के अलावा प्रधानमंत्री कार्यालय के पास और कोई महत्वपूर्ण कार्य नहीं है? पूरे देश में संचार के प्रमुख साधन 'टेलीग्राम' पर 22 जून तक प्रतिबंध लगा दिया गया है। नीट के प्रश्न पत्रों को विभिन्न केंद्रों तक पहुंचाने के लिए वायु सेना के वायुयानों और हेलीकॉप्टरों द्वारा 200 से अधिक उड़ानें भरी गई हैं। इन पर कितना खर्चा हुआ होगा, इसकी कोई जानकारी नहीं है। इस तरह की तैयारी तो स्वतंत्रता के बाद, शायद किसी भी परीक्षा के लिए नहीं की गई।

प्रश्न पत्रों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के लिए वायु सेना के विमान और हेलीकॉप्टरों का प्रयोग हास्यास्पद है। क्या जाँच में कहीं पर यह सिद्ध हुआ है कि पेपर, परिवहन के दौरान लीक हुए थे? पेपर लीक की घटना को रोकने के बारे में आवश्यक प्रभावी कार्यवाही तभी संभव है जब यह पता किया जा सके कि पेपर लीक किसके स्तर पर हुआ? मजे की बात तो यह है कि एन टी ए तो पेपर लीक होना ही नहीं मान रहा है। फिर क्यों पहली परीक्षा निरस्त करके दोबारा कराई जा रही है? क्या यह 22 लाख छात्रों के साथ मजाक नहीं है? नीट के पेपर, 2024 में भी लीक हुए थे और कई व्यक्तियों की गिरफ्तारी हुई थी। आज वे सभी जमानत पर हैं और शायद पुनः उसी काम में लग गए होंगे। इसी प्रकार 2025 के नीट पेपर भी लीक हुए थे लेकिन उसके ज्यादा समाचार नहीं आए। बाद में पता लगा कि कुछ व्यक्तियों को पेपर मिले थे और उसके आधार पर, अयोग्य होते हुए भी उनका चयन हो गया था। आज वे सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई कर रहे हैं।

पेपर लीक की घटनाएं बार-बार होने का प्रमुख कारण ही यह है कि इसके कारणों का सही पता नहीं लगाया जाता। इसी कारण, इसे रोकने के लिए कोई कार्रवाई भी नहीं हो पाती है। पेपर लीक गंभीर अपराध है और उसके साथ विद्यार्थियों का भविष्य जुड़ा है फिर भी इसमें लिप्त लोगों पर कठोर कार्यवाही न होना सरकारी संवेदनहीनता का ही द्योतक है। एक व्यक्ति की हत्या के लिए हत्यारे को आजीवन कारावास या फांसी की सजा होती है। नीट के पेपर लीक के कारण हुई लगभग 20 विद्यार्थियों की आत्महत्या की जिम्मेदारी एन टी ए के अधिकारियों की क्यों नहीं मानी जानी चाहिए? सरकार द्वारा ऐसा कुछ करना तो दूर, उसके शिक्षा मंत्री तक को अब तक पद से नहीं हटाया गया है,जबकि इस बारे में आंदोलन लगातार चल रहा है।

केंद्र सरकार, परीक्षा आयोजन को भी एक इवेंट बना रही है। 'टेलीग्राम' बंद करना,वायु सेना के माध्यम से पेपर पहुँचाना और प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा मॉनिटरिंग तथा इसे मीडिया में प्रमुखता से प्रचारित, प्रसारित करना इवेंट आयोजन जैसा ही तो है। समाचार पत्रों के मुखपृष्ठ पर वायुसेना के विमानों द्वारा प्रश्न पत्र ले जाने के फोटो प्रकाशित करना भी इसी का हिस्सा है।

नीट जैसी परीक्षा के पेपर कई व्यक्ति मिलकर तैयार करते हैं किंतु अंतिम प्रश्न पत्र में कौन से प्रश्न होंगे, इसकी जानकारी एन टी ए के ही कुछ अधिकारियों को होती है। एनटीए के अध्यक्ष अभी तक वही बने हुए हैं और पूर्व महानिदेशक को प्रमोशन देकर कहीं और लगा दिया गया है। इसे जवाबदेही का पूर्णतया अभाव ही कहा जाएगा।

वायुसेना के माध्यम से पेपर भेजने का निर्णय कुछ कुछ वैसा ही है, जैसे पानी की पाइपलाइन में लीकेज हो किंतु बिना यह पता लगाए कि लीकेज कहां पर है, उसे ठीक करने का प्रयास किया जाय। गाड़ी के पहिए का पंक्चर होने पर, पहले ठीक करने वाला पानी डालकर यह देखता है कि कहां से पानी के बुलबुले निकल रहे हैं ताकि वह पता लगा सके कि पंचर कहां हुआ है? और फिर, वह उसे मरम्मत करने का कार्य करता है। इतनी साधारण सी बात भी सरकार, नीट की परीक्षा के संबंध में नहीं समझ पा रही है। ऐसा लगता है वह केवल अंधेरे में तीर चला रही है और इसे भी अपने प्रचार का माध्यम बना रही है।

देश में प्रतिवर्ष विभिन्न हजारों परीक्षाओं के लाखों प्रश्न पत्र होते हैं जिनमें करोड़ों विद्यार्थी बैठते हैं। इस प्रकार से वायु सेना का उपयोग यदि प्रश्न पत्र ले जाने के लिए किया गया तो कितनी परीक्षाओं में ऐसा किया जा सकेगा? छात्र के लिए प्रत्येक परीक्षा महत्वपूर्ण होती है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि उपयुक्त विश्वसनीय व्यक्तियों को परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं में लगाया जाए। उनकी ईमानदारी पर किसी प्रकार का संदेह न हो। विमानों द्वारा प्रश्न पत्र ले जाना किसी पेड़ के पत्तों को तोड़ने जैसा है जिसका कोई लाभ नहीं है। समस्या हल करने के लिए समस्या की जड़ पर प्रहार करना आवश्यक है।

सार्वजनिक रूप से सरकार को यह बताना चाहिए कि 2024 में प्रश्न पत्र लीक करने के लिए जिम्मेदार कौन थे और उन्हें अब तक सजा क्यों नहीं हुई? इसी प्रकार नीट 2026 के लिए यह बताना आवश्यक है कि किस स्तर पर पेपर लीक हुए? एन टी ए अध्यक्ष और शिक्षा मंत्री के अपने पद पर बने रहते हुए इसकी कोई निष्पक्ष जांच हो पाएगी, यह संभव नहीं है। टेलीग्राम जैसे प्रमुख संचार माध्यम को प्रतिबंधित करना युद्ध के समय उठाए गए कदम जैसा है। इस कारण लाखों लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। सरकार जब भी इंटरनेट की सेवा प्रतिबंधित करती है तो पूरे क्षेत्र में किस प्रकार सामान्य गतिविधियां ठप्प हो जाती हैं, इसका अंदाजा नागरिकों को है। केवल परीक्षा आयोजन के लिए टेलीग्राम जैसे महत्वपूर्ण साधन को प्रतिबंधित कर देना नितांत अनुचित है। सरकार को शायद इस बात का भी पता है कि आज के युवा पेपर लीक के कई वैकल्पिक तरीके अपना सकते हैं। तो फिर, इस प्रतिबंध का कोई अर्थ भी नहीं रह जाता। जैसे मोबाइल इंटरनेट को बंद करने पर, वाई-फाई तो चालू रहता ही है। मोबाइल इंटरनेट को बंद करने से परेशानी होती है किंतु इसका कोई विशेष लाभ प्रतिबंध लगाने वालों को नहीं होता है। टेलीग्राम कंपनी, प्रतिबंध के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में गई अवश्य है किंतु अब तक उसे कोई राहत नहीं मिली है। टेलीग्राम को पूरे देश में बंद करना लगभग वैसा ही है जैसे यदि सड़क पर एक एक्सीडेंट हो, तो सड़कों का उपयोग ही बंद कर दिया जाए अथवा किसी के बालों में जूं पड़ जाए तो पूरा सिर ही काट दिया जाए।

यदि प्रधानमंत्री कार्यालय एक परीक्षा की निगरानी जैसे रूटीन के काम में लग जाएगा तो देश का संचालन कौन करेगा? जो काम बिल्कुल साधारण प्रकृति का है उसे इतना बढ़ा-चढ़ा कर बता दिया गया है जैसे परीक्षा कराना असंभव सा कार्य हो गया है। हमारे पड़ोसी देश चीन में लगभग 1-2 करोड़ विद्यार्थी प्रतिवर्ष परीक्षा में बैठते हैं और वहां गत 20 सालों में कोई पेपर कभी लीक नहीं हुआ। कारण स्पष्ट है, वहां डर इतना है कि एक बार इस प्रकार की घटना होने पर संबंधित व्यक्तियों को फांसी तक हो सकती है।

नीट की परीक्षा दुबारा कराने के लिए सरकार ने जो कदम उठाए हैं, उन्हें मीडिया में तो बहुत स्थान मिल सकता है, किंतु यह नीट की परीक्षा कराने का कोई सही तरीका नहीं कहा जा सकता। यह परिपाटी उचित भी नहीं है। जिसका जो काम है, वह उसे सही तरह करे, यह आवश्यक है। एन टी ए और शिक्षा मंत्रालय का काम यदि प्रधानमंत्री कार्यालय करेगा तो फिर शिक्षा मंत्रालय की आवश्यकता ही क्या है?

नीट के पेपर आउट होने पर कई विद्यार्थियों ने आत्महत्या की है और अनेक छात्र मानसिक अवसाद में चले गए हैं। उसे देखते हुए, पूरी शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था पर ही पुनर्विचार की आवश्यकता है। क्यों किसी विद्यार्थी के भविष्य का निर्धारण केवल 3 घंटे की परीक्षा से कर दिया जाता है? क्या उन्हें विभिन्न प्रकार के अन्य वैकल्पिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर सरकार विचार नहीं कर सकती ताकि वह जीवन के अमूल्य तीन-चार वर्ष केवल एक परीक्षा पर न लगा दें, और उसमें असफल होने पर अपने जीवन का अंत ही कर लें? जीवन अमूल्य है और इसकी रक्षा करना सर्वोपरि प्राथमिकता है, परिवार के लिए भी और सरकार के लिए भी।

आशा है सरकार परीक्षाओं के आयोजन के साथ ही शिक्षा और रोजगार की पूरी व्यवस्था पर गंभीरता से पुनरावलोकन करेगी और आवश्यक कदम उठाएगी ताकि जिस प्रकार की स्थिति नीट परीक्षा के पेपर आउट होने से हुई है वैसी स्थिति देश में उत्पन्न न हो और युवाओं के जीवन के साथ खिलवाड़ होने से बच सके।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

क्या भारत भविष्य के 'वाटर इमरजेंसी' की ओर बढ़ रहा है?

राम शर्मा

जल जीवन का आधार है। मानव सभ्यता का विकास नदियों के किनारे हुआ और आज भी किसी देश की समृद्धि का एक महत्वपूर्ण आधार उसके जल संसाधन हैं। लेकिन 21वीं सदी में दुनिया जिस सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है, उनमें जल संकट प्रमुख है। भारत भी इस चुनौती से अछूता नहीं है। देश की बढ़ती आबादी, अनियोजित शहरीकरण, जलवायु परिवर्तन और भूजल के अंधाधुंध दोहन ने जल संकट को गंभीर बना दिया है। आज यह प्रश्न प्रासंगिक हो गया है कि क्या भारत भविष्य में किसी 'वाटर इमरजेंसी' की ओर बढ़ रहा है?

भारत विश्व की लगभग 18 प्रतिशत आबादी का घर है, जबकि उसके पास विश्व के केवल 4 प्रतिशत मीठे जल संसाधन हैं। यह असंतुलन अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या वृद्धि और औद्योगीकरण के कारण जल की मांग लगातार बढ़ी है, लेकिन जल संसाधनों का विस्तार उसी अनुपात में नहीं हो पाया। परिणामस्वरूप कई क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता तेजी से घट रही है।

देश के अनेक शहर पहले ही जल संकट की गंभीर स्थिति का सामना कर चुके हैं। कुछ वर्ष पहले दक्षिण भारत के प्रमुख महानगरों में से एक, बंगलुरू को भीषण जल संकट का सामना करना पड़ा था। कई इलाकों में टैंकरों के सहारे पानी की आपूर्ति करनी पड़ी। इसी प्रकार चेन्नई, दिल्ली और अन्य महानगरों में भी समय-समय पर जल संकट की स्थिति उत्पन्न होती रही है। यह संकेत है कि समस्या अब केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं रही, बल्कि शहरी भारत भी इसकी चपेट में आ रहा है। जल संकट के पीछे सबसे बड़ा कारण भूजल का अत्यधिक दोहन है। भारत दुनिया में भूजल का सबसे बड़ा उपभोक्ता माना जाता है। कृषि, घरेलू उपयोग और उद्योगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए लाखों ट्यूबवेल और बोरवेल लगातार जमीन से पानी निकाल रहे हैं। कई राज्यों में भूजल स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा चुका है। राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, गुजरात और उत्तर प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में भूजल का स्तर वर्ष दर वर्ष गिरता जा रहा है। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में पेयजल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बन सकती है।

जलवायु परिवर्तन ने इस संकट को और जटिल बना दिया है। पहले जहां मानसून अपेक्षाकृत नियमित रहता था, वहीं अब वर्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा हो रही है तो कहीं लंबे समय तक सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है। कई क्षेत्रों में कुछ दिनों की भारी बारिश पूरे वर्ष की औसत वर्षा को पूरा कर देती है, लेकिन उसका अधिकांश जल बहकर समुद्र में चला जाता है। इससे भूजल पुनर्भरण की प्रक्रिया प्रभावित होती है और जल संकट गहराता है।

भारत में जल प्रबंधन की कमजोर व्यवस्था भी चिंता का विषय है। आज भी वर्षा जल का बड़ा हिस्सा संरक्षित नहीं किया जाता। जल संरक्षण की योजनाएं कई बार कागजों तक सीमित रह जाती हैं। शहरों में तालाब, झीलें और पारंपरिक जल स्त्रोत लगातार समाप्त होते जा रहे हैं। जिन जलाशयों ने सदियों तक समाज की जल आवश्यकताओं को पूरा किया, वे अतिक्रमण और उपेक्षा का शिकार हो गए हैं। कृषि क्षेत्र में भी जल का उपयोग अत्यधिक और कई बार अनियोजित तरीके से होता है। भारत में उपलब्ध मीठे जल का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा कृषि में उपयोग किया जाता है। अनेक क्षेत्रों में ऐसी फसलें उगाई जाती हैं जिन्हें अत्यधिक पानी की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, कम वर्षा वाले क्षेत्रों में धान और गन्ने जैसी फसलों की खेती भूजल पर भारी दबाव डालती है। यदि कृषि पद्धतियों में सुधार नहीं किया गया तो भविष्य में जल संकट और गंभीर हो सकता है।

शहरीकरण भी जल संकट को बढ़ा रहा है। तेजी से फैलते शहरों में कंक्रीट का विस्तार हो रहा है, जिससे वर्षा जल जमीन में समाहित नहीं हो पाता। इसके अलावा पाइपलाइन लीकेज और खराब वितरण प्रणाली के कारण बड़ी मात्रा में पानी बर्बाद हो जाता है। कई शहरों में प्रतिदिन लाखों लीटर पानी रिसाव के कारण नष्ट हो जाता है। यह स्थिति तब और चिंताजनक हो जाती है जब लाखों लोगों को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध नहीं हो पाता। जल संकट का सीधा प्रभाव अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। कृषि उत्पादन में कमी, उद्योगों की उत्पादन क्षमता पर असर और ऊर्जा क्षेत्र में चुनौतियां आर्थिक विकास को प्रभावित कर सकती हैं। जल की कमी से खाद्य सुरक्षा भी प्रभावित हो सकती है, जिससे महंगाई बढ़ने की संभावना रहती है। इसके अतिरिक्त पानी को लेकर सामाजिक तनाव और क्षेत्रीय विवाद भी बढ़ सकते हैं।

हाल के वर्षों में वैश्विक स्तर पर बढ़ते तापमान और चरम मौसमीय घटनाओं ने जल संकट को और गंभीर बना दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दशकों में जल की उपलब्धता भारत के विकास के लिए सबसे बड़ी बाधाओं में से एक बन सकती है। यह स्थिति केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट का रूप भी ले सकती है। हालांकि स्थिति पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। भारत के पास इस चुनौती से निपटने के पर्याप्त अवसर भी हैं। सबसे पहले जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देना होगा। वर्षा जल संचयन को प्रत्येक घर, विद्यालय, उद्योग और सरकारी भवन में अनिवार्य बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास आवश्यक हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में तालाबों, बावड़ियों और पारंपरिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

कृषि क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों जैसे ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा देना होगा। इससे पानी की बचत होगी और कृषि उत्पादकता भी बढ़ेगी। किसानों को कम पानी वाली फसलों की ओर प्रोत्साहित करना भी समय की आवश्यकता है। साथ ही जल के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ानी होगी। शहरी क्षेत्रों में जल पुनर्चक्रण और अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग को बढ़ावा देना होगा। विकसित देशों की तरह उपचारित जल का उपयोग उद्योगों, उद्यानों और अन्य गैर-पेय कार्यों में किया जा सकता है। इससे मीठे जल पर दबाव कम होगा। साथ ही नगर निकायों को जल वितरण प्रणाली में सुधार कर रिसाव को न्यूनतम करना होगा।

अंततः यह स्पष्ट है कि भारत जल संकट की चुनौती का सामना कर रहा है और यदि वर्तमान प्रवृत्तियां जारी रहीं तो भविष्य में 'वाटर इमरजेंसी' जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। लेकिन यह संकट अपरिहार्य नहीं है। दूरदर्शी नीतियों, प्रभावी जल प्रबंधन, तकनीकी नवाचार और जनभागीदारी के माध्यम से इस चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है। जल संरक्षण को केवल सरकारी जिम्मेदारी मानने के बजाय प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य बनाना होगा। यदि आज हम पानी की प्रत्येक बूंद का महत्व समझ लें, तो आने वाली पीढ़ियों को जल संकट की भयावह स्थिति का सामना नहीं करना पड़ेगा। जल है तो कल है, और भारत का भविष्य भी जल सुरक्षा पर ही निर्भर करता है।

–राम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

ग्रामीण सेवा शिविर बना जनकल्याण का केंद्र

पावटा, (निसं)। पावटा तहसील के ग्राम प्रेमनगर एवं ब्लॉक विराटनगर की ग्राम पंचायत छीतोली में शुक्रवार को आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। शिविर का आयोजन विधायक कुलदीप धनकड़ के मुख्य आतिथ्य एवं विराटनगर उपखंड अधिकारी कपिल कुमार व पावटा उपखंड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा के निर्देशन में हुआ।

शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान किया तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। शिविर के दौरान ग्राम पंचायत छीतोली में कई प्रकरणों का निस्तारण किया गया। वहीं शिविर में सफलता की कहानी लिखते हुए ग्राम जादू का बास निवासी कोयली देवी पत्नी महेश गुर्जर को ग्रामीण सेवा शिविर में मुख्यमंत्री मंगल पशु बीमा योजना के तहत निःशुल्क बीमा पॉलिसी प्रदान की गई। कोयली देवी ने

■ मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना से कोयली देवी व बर्फी देवी को मिली राहत

बताया कि पहले पशुओं का बीमा कराने के लिए भारी प्रीमियम राशि जमा करवानी पड़ती थी, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ जाता था। लेकिन अब राज्य सरकार की इस योजना से उन्हें बिना किसी शुल्क के बीमा सुविधा मिली है। उन्होंने सरकार एवं पशुपालन विभाग का आभार जताते हुए अन्य पशुपालकों से भी योजना का लाभ लेने की अपील की।

वहीं पावटा तहसील के ग्राम प्रेमनगर निवासी बर्फी देवी की कहानी भी सरकारी योजनाओं की सफलता को दर्शाती है। बर्फी देवी के लिए पशुपालन आजीविका का प्रमुख साधन है, लेकिन पहले पशुओं के बीमार होने और उपचार पर होने वाले खर्च से उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। मुख्यमंत्री मंगल पशु बीमा योजना के अंतर्गत पशुओं का बीमा होने से उन्हें आर्थिक सुरक्षा का भरोसा मिला। इन शिविरों में पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। कोयली देवी और बर्फी देवी जैसी सफलता की कहानियां इस बात का प्रमाण हैं कि सरकारी योजनाओं का सही लाभ मिलने पर ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है।

राशिफल

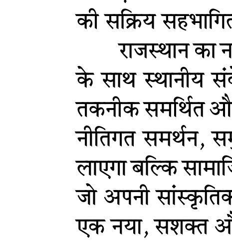

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 20 जून, 2026

द्वितीय ज्येष्ठ मास (शुद्ध), शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, मघा नक्षत्र प्रातः 9:26 तक, वज्र योग दिन 12:48 तक, तैतिल करण दिन 3:47 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-कर्क, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग दिन 9:26 तक है। आज अरण्य षष्ठि व्रत, विन्ध्यवासिनी पूजा है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:20 से 9:03 तक, चर 12:28 से 2:11 तक, लाभ अमृत 2:11 से 5:36 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:19

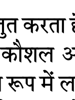

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

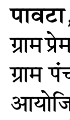

वृष
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी और व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

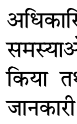

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

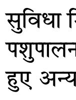

सिंह
मानसिक तनाव दूर होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

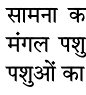

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। आजल घर-परिवार में अनावश्यक धन खर्च होगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

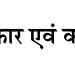

तुला
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

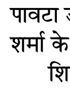

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

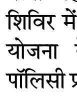

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

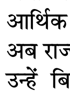

मकर
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

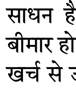

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

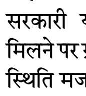

मीन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

12 साल
विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के
सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार
माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का
हार्दिक आभार
राजस्थान को एक और बड़ी सौगात
राजस्थान को यमुना जल मिलने का मार्ग प्रशस्त
30 वर्षों से प्रतीक्षारत पेयजल और
सिंचाई की जरूरत होगी पूरी
₹34,106 करोड़
की महत्वाकांक्षी परियोजना
वर्ष पर्यन्त जल उपलब्धता की दिशा में
राजस्थान के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि
यमुना जल का प्रमुख घटक
किशाऊ बहुउद्देश्यीय
बाँध परियोजना
75 लाख आबादी को मिलेगा लाभ
यमुना जल समझौते से शेखावाटी क्षेत्र के सीकर, झुंझुनूं और
चूरू जिलों एवं अन्य क्षेत्रों को मिलेगा भरपूर पानी
"राजस्थान के लिए जल से जुड़ी इस महत्वपूर्ण परियोजना को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में समय पर पूरा करने की
प्रतिबद्धता के लिए गृह मंत्री श्री अमित शाह जी एवं केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल जी का हार्दिक अभिनंदन।"
– भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
राजस्थान संवाद
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में एक माह से भर्ती एक प्रसूता की मौत

सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूता की किडनी फेल हो गई थी

■ हालत गंभीर होने पर पिछले 20 दिन से वेंटिलेटर पर थी महिला, किडनी फेल होने के साथ लिवर भी डैमेज हो गया था

■ अस्पताल अधीक्षक के अनुसार प्रथमदृष्टया मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर महिला की मौत का कारण माना जा रहा है

बीकानेर, (निसं)। पीबीएम हॉस्पिटल में शुक्रवार को एक प्रसूता की मौत हो गई। हॉस्पिटल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद 6 महिलाओं की किडनी फेल हो गई थी। इनमें एक महीने से हॉस्पिटल में भर्ती सूरतगढ़ की रहने वाली प्रीति (20) पत्नी कमल नायक की हालत गंभीर थी।

जानकारी के अनुसार, डिलीवरी के बाद प्रीति की तबीयत लगातार बिगड़ती गई। उसकी किडनी फेल हो गई थी। बाद में लिवर भी डैमेज हो गया। पिछले कुछ दिनों से उसके दिमाग तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच रही थी। हालत गंभीर होने पर वह पिछले 20 दिन से वेंटिलेटर पर थी। अस्पताल अधीक्षक डॉ. बी.सी. घीया के अनुसार, प्रथमदृष्टया मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर महिला की मौत का कारण माना जा रहा है। किडनी के बाद अन्य अंगों ने भी काम करना बंद कर दिया। इसके कारण इलाज के दौरान शुक्रवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे उसकी मौत हो गई।

गौरतलब है कि पीबीएम हॉस्पिटल में प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ने और किडनी फेल होने के मामले को लेकर पिछले दिनों काफी विवाद भी हुआ था। फिलहाल हॉस्पिटल में तीन प्रसूताओं का इलाज चल रहा है। पीबीएम हॉस्पिटल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद एक-एक कर 6 महिलाओं की किडनी फेल हो गई थी। हालात इतने बिगड़े कि प्रसूताओं की कई बार डायलिसिस की गई। सभी को आईसीयू में शिफ्ट किया गया। इनमें तारा देवी (27) और राहिला (19) को छुट्टी दे दी गई। शारदा (26) वेंटिलेटर पर और इमरती (20) पोस्ट कोविड आईसीयू में भर्ती है। कमला का मेडिसिन आईसीयू में इलाज जारी है। प्रीति की शुक्रवार दोपहर मौत हो गई।

हॉस्पिटल सुपरिंटेंडेंट के अनुसार, सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूताओं को बाजार से मंगवाए ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन लगाए थे। इसके बाद ही महिलाओं की तबीयत बिगड़ती गई। मामले में राज्य सरकार के स्तर पर 2 जांच कमेटी भी बनाई गई है, जिसमें जोधपुर मेडिकल कॉलेज की टीम पीबीएम हॉस्पिटल में 24 घंटे में जांच पूरी कर उसी दिन लौट गई। वहीं ड्रग कंट्रोलर की कमेटी कई बिंदुओं पर जांच कर रही है।

मामले में पीबीएम हॉस्पिटल के सुपरिंटेंडेंट का दावा है कि डॉक्टर्स व स्टाफ की तरफ से मामले में लापरवाही नहीं बरती गई। प्रसूताओं को प्रॉपर इलाज दिया गया। हालांकि दोनों जांच टीमों की फाइनल रिपोर्ट के बाद ही सरकार के स्तर पर अंतिम फैसला आने की संभावना है।

जोधपुर में तीन बाल श्रमिक मुक्त कराये

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट पुलिस की तरफ से चलाए जा रहे उमंग-7 के तहत तीन बाल श्रमिकों को बालश्रम से मुक्त करवाया गया। गौरतलब है कि जोधपुर में बाल श्रमिकों को मुक्त कराने की कार्रवाई जारी है। कमिश्नरेट के माता का थान और बोरानाडा क्षेत्र से तीन बालश्रमिकों को बालश्रम से मुक्त करवाया गया। बालक वैल्डिंग और हैण्डीक्राफ्ट के कार्य से जुड़े हुए थे। इनके संचालकों के खिलाफ जेजे एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है।

माता का थान पुलिस थाने के एसआई हरखाराम ने नृसिंह प्याउ के पास में युवराज स्टेनलेस स्टील एवं शिवराज वैल्डिंग वर्क्स पर रेड दी। यहां पर एक बालक से श्रम करवाया जा रहा था। बाद में बाल को चाइल्ड हैल्प लाइन के समक्ष पेश किया गया। इसके संचालक खेडीवाला बेरा निवासी प्रवीण के खिलाफ जेजे एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया। इसी तरह बोरानाडा पुलिस ने बुझावड़ रोड बालाजी नगर में गणपति आर्ट पर काम कर रहे बालकों को मुक्त करवाया।

कार्यालय नगर परिषद गंगापुर सिटी जिला सवाई माधोपुर (राजस्थान)
क्रमांक:- 1740-47 दिनांक:- 10.06.2026
ई-निविदा सूचना.... 2026-27
नगर परिषद गंगापुर सिटी की ओर से राजकीय विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा सूचना निम्नलिखित बेवसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.gov.in पर से अपलोड एवं डाउनलोड की जा सकती है।
NIB No.-DLB2627A2919
राज.संवाद/सी/26/5199
आयुक्त
नगर परिषद गंगापुर सिटी

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
जोधपुर 342304, राजस्थान, भारत
ई-निविदा 03/2026-27
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा Smart Class, Conference System & CCTV for CoA Baytu की खरीद के लिए ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई थी। विस्तृत विवरण एवं जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
UBN NO.: JAU2627GLOB00052
राज.संवाद/सी/26/5252
नियंत्रक (वित्त)

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
क्षेत्रीय कार्यालय, पता-IPIA ROAD NO.-06, KOTA कोटा (राज.), ई-मेल :rorpcb.kota@gmail.com
क्रमांक :- राप्रनिम/क्षे.का./कोटा/निविदा-623 दिनांक :- 16/06/2026
Notice Inviting Bid
Open Bid No. 01/2026-2027 for Man Power, Interested bidder applies upto 12:00 pm dated 25.06.2026 Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://environment.rajasthan.gov.in/rpcb, http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in of the state and notice board of this office.
UBN: PCB2627SLOB00032, NIB: PCB2627A0032
Raj.Samwad/C/26/5257
Regional Officer

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- जोविप्रा/2026-27/633 दिनांक :- 16/06/2026
ई-निविदा सूचना संख्या- मुख्यालय/13/2026-27
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदक जिनका पंजीयन नियमानुसार पुनरावलोकन (Review) किया हुआ हो, से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। जो निम्नलिखित दिनांक अनुसार डाउनलोड तथा खोली जायेगी। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।
UBN No.:- JOD2627WSOB00122
राज.संवाद/सी/26/5240
अधिशाषी अभियंता

राहुल गांधी और कांग्रेस को कोसने वाले भाजपा नेता के घर पहुंचे अशोक गहलोत

■ गहलोत के इस कदम से कांग्रेस का समर्पित कार्यकर्ता काफी आहत हुआ है

■ जब पंकज मेहता ने कांग्रेस छोड़ी तो अशोक गहलोत के व्यवहार को लेकर नाराजगी दिखाई थी

कोटा, (निसं)। राहुल गांधी कोटा में छात्रों से संवाद करने के लिए आए थे। इस दौरान प्रदेशभर के नेताओं का जमावड़ा कोटा में था। अशोक गहलोत भी कोटा में रहकर राहुल गांधी के सम्मुख अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में लगे हुए थे। इस बीच वे कोटा का चंबल रिवर फ्रंट भी देखने रात के समय पहुंच गए। चंबल रिवर फ्रंट का भ्रमण करने के बाद वापस पैदल लौट रहे थे तो रास्ते में ही भाजपा के उन नेता जो कभी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष, विधानसभा में कांग्रेस के प्रत्याशी, कांग्रेस सरकार में खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के उपाध्यक्ष, कांग्रेस में विभिन्न पदों पर रह चुके थे और सबसे बड़ी बात जिन्हें कोटा में अशोक गहलोत का सबसे करीबी नेता माना जाता था उनकी गली में देर रात पहुंच गए।

गली में पहुंचते ही उन्हें बताया गया कि यह पंकज मेहता का मकान है, तो गहलोत ने फोन करके पंकज मेहता को नीचे बुला लिया। मेहता भी अचंभित रह गए और नाइट ड्रेस में ही अशोक गहलोत से मिलने अपने घर के नीचे गली में आ गए। बाद में गहलोत और मेहता की मुलाकात की यह तस्वीर वायरल हो गई जो राजनीतिक चर्चा का केंद्र बन गई। मजेदार बात यह है कि राहुल गांधी के दौरे को लेकर पंकज मेहता काफी आक्रामक थे और कांग्रेस का समर्पित कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर लगातार काउंटर अटैक कर रहा था। अब जब यह तस्वीर सामने आई तो कांग्रेस का समर्पित कार्यकर्ता हतोत्साहित नजर आ रहा है।

गहलोत का राजनीतिक कद राजस्थान में काफी बड़ा है, इस कारण से कोई नेता या कार्यकर्ता खुलकर उनके इस कदम की निंदा तो नहीं कर रहा परंतु दबी जुबान से यह कहने पर भी नहीं चूक रहा कि गहलोत ने ऐसा करके समर्पित कार्यकर्ता के सम्मान को ठेस पहुंचाई है। ज्ञात रहे कि पंकज मेहता कोटा के वह नेता है, जिन्होंने वर्षों तक कांग्रेस में रहकर कांग्रेस को मजबूत करने का काम किया था। लेकिन गत विधानसभा चुनाव में अशोक गहलोत से नाराजगी के चलते उन्होंने कांग्रेस का हाथ छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया था। जब पंकज मेहता ने कांग्रेस छोड़ी तब उन्होंने स्पष्ट रूप से अशोक गहलोत के व्यवहार को लेकर खासा नाराजगी जाहिर की थी। अब भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता हैं और अपने कार्य को बखूबी अंजाम दे रहे हैं।

मासूम बच्ची की हत्या की दोषी मां और प्रेमी को आजीवन कारावास

■ कोर्ट ने कहा कि जब बच्चा अपनी मां के पास सुरक्षित नहीं तो कहां सुरक्षित रहेंगे, इस तरह की महिलाएं मां के नाम पर कलंक है, इन्हें समाज में स्वतंत्र रहने का अधिकार नहीं है

कोटा, (निसं)। मासूम बच्ची की हत्या व साक्ष्य छिपाने के करीब पांच साल से अधिक पुराने मामले में न्यायालय अपर सेशन न्यायाधीश क्रम-2 ने सुनवाई करते हुए हत्या के आरोप में पकड़ी गई उसकी मां व उसके प्रेमी को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

एडीजे क्रम-2 की पीठासीन अधिकारी सरिता धाकड़ ने मामले में सुनवाई करते हुए आरोपी मां टीना उर्फ पुष्पा व उसके प्रेमी प्रहलाद सहाय को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। साथ ही 30-30 हजार के अर्थदंड से दंडित किया। अपर लोक अभियोजक भारत सिंह आसावत ने बताया कि 16 दिसंबर 2020 को परिवादी सुमित यादव ने बूढ़ादीत थाने में रिपोर्ट दी। परिवादी ने रिपोर्ट में कहा कि 11 नवम्बर 2020 को वह काम पर गया था, घर में उसकी पत्नी टीना उर्फ पुष्पा, चार वर्षीय पुत्री नंदनी व उसकी मां रह गई और उसकी मां सगुनाबाई नरेगा में काम के लिये चली गई तो उसकी पत्नी टीना उर्फ पुष्पा उसकी बेटी नंदनी को लेकर बिना बताये घर से कहीं चली गई, काफी तलाश करने पर भी मां और बेटी को कोई पता नहीं चल रहा। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर दोनों की तलाश की। पुलिस ने कार्यवाही करते हुए वर्ष 2021 में टीना उर्फ पुष्पा को जयपुर से दस्तयाब किया। पुलिस जांच में सामने आया कि वर्ष 2020 में टीना उर्फ पुष्पा का फोन गलती से प्रहलाद सहाय को लग गया, लेकिन बाद में दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत होने लगी थी। जिसके बाद टीना अपनी मासूम बेटी नंदनी को लेकर प्रहलाद के कहने पर जयपुर पहुंच गई, जहां से प्रहलाद उसे अपने घर ले गया, बाद में टीना ने प्रहलाद से शादी करने की जानकारी अपने पिता को भी दी।

पुलिस जांच व अनुसंधान में सामने आया कि 9 दिसम्बर 2020 को जयपुर में उसकी बच्ची नंदनी घर की छत पर खेल रही थी और खेलते समय सीढ़ियों से गिर गई, बच्ची को अस्पताल में दिखाया तो डॉक्टर ने बच्ची के गंभीर चोट होने पर उसे बड़े अस्पताल में दिखाने को बोला। पुलिस जांच में सामने आया कि प्रेमी प्रहलाद सहाय बच्ची के इलाज में ज्यादा रूपये खर्च नहीं करना चाहता था और बच्ची की मां टीना ने प्रेमी प्रहलाद सहाय के कहने पर दोनों ने मिलकर शॉल से मासूम का मुंह दबाकर उसकी निर्मम हत्या कर दी और मासूम के शव को माधोगढ़ की पुलिया से पहले रोड के नीचे नाले में फेंक दिया। पुलिस को जांच के दौरान बालिका के मौजे, शॉल और कपाल की हड्डी के दो टुकड़े मिले थे, उनकी डीएनए जांच कराई गई, जिसमें सामने आया कि शव नंदिनी का है। पुलिस ने कार्यवाही कर टीना उर्फ पुष्पा व उसके प्रेमी प्रहलाद सहाय दोनों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामले में अनुसंधान कर आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया गया, मामले में 13 गवाहों के बयान 52 दस्तावेज पेश किये।

कोर्ट की टिप्पणी :- मासूम बच्ची की हत्या के मामले में न्यायालय ने कहा कि आरोपी महिला टीना उर्फ पुष्पा ने मातृत्व को शर्मशार किया है, एक मां द्वारा ही मासूम बच्ची को मारकर प्रेमी के साथ मिलकर शव फेंक दिया। जब बच्चा अपनी मां के पास सुरक्षित नहीं तो कहां सुरक्षित रहेंगे। इस तरह की महिलाएं मां के नाम पर कलंक व धब्बा है जो मां कहलाने के लायक नहीं है, इन्हे समाज में स्वतंत्र रहने का अधिकार नहीं है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड हिण्डौन
क्रमांक- 563-72 दिनांक-12.06.2026
निविदा सूचना संख्या-05/2026-27
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदकों जो कि राज्य सरकार के एए, ए, बी, सी व डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदाओं से संबंधित विवरण वेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in & www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB CODE: PWD2627A1090
UBN NO. 1. PWD2627WSRC04715, 2. PWD2627WSRC04716, 3. PWD2627WSRC04717
DIPR/C/10570/2026
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड हिण्डौन

कार्यालय नगर परिषद् बाड़मेर (राज.)
E-mail : mbbarmerraj@gmail.com PH. NO. 02982-220098
क्रमांक : एफ-15/विकास/2026-27/2842 दिनांक : 15.06.2026
ई-निविदा सूचना संख्या - 09/2026-27
नगर परिषद् बाड़मेर की ओर से केन्द्र व राज्य सरकार के विभिन्न विभागों, उपक्रमों, संस्थानों में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान के नवीन नियमों के अन्तर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं मान्यता प्राप्त समकक्ष श्रेणी की फर्मो/ठेकेदारों से 02 निर्माण कार्य के लिये मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है। उक्त निर्माण कार्यो निविदा फार्म दिनांक 17.06.2026 से दिनांक 29.06.2026 तक ऑन लाईन प्राप्त की जाकर दिनांक 30.06.2026 को उपापन समिति के समक्ष खोली जायेगी। निविदा को इलेक्ट्रोनिक फॉरमेट में वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर जमा करानी होगी। उपरोक्त निविदा सूचना के संबंध में समस्त जानकारी/विवरण/शर्तें राज्य सरकार की वेबसाईट https://sppp.rajasthan.gov.in Or http://eproc.rajasthan.gov.in पर भी देखी जा सकती हैं।
NIB Code : DLB2627A3179
राज.संवाद/सी/26/5204
आयुक्त
नगर परिषद, बाड़मेर

फिल्म प्रोड्यूसर अमित ज्याणी को धमकी मिली

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान के चर्चित काला हिरण शिकार मामले पर आधारित फिल्म काला हिरण को लेकर नया विवाद सामने आया है। फिल्म के प्रोड्यूसर अमित ज्याणी को पाकिस्तान नंबरों से जान से मारने की धमकी मिली है। अमित का आरोप है कि मुझे सलमान खान के इशारे पर धमकी दी गई है। इधर, इस पूरे मामले को लेकर अमित ज्याणी ने वीडियो भी जारी किया है।

उन्होंने बताया कि पिछले दो साल से मुझे गला काटने, जान से मारने, घर उड़ाने और पेट्रोल बम से उड़ाने की धमकी मिल रही है। 28 अक्टूबर 2025 को भी मुझे धमकी मिली थी। उदयपुर में भी मुझे बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसकी भी शिकायत मैंने की थी। उन्होंने बताया कि मैं गुरु जम्भेश्वर के दर्शन करने गया था। सलमान खान हमारे खिलाफ हाईकोर्ट में है। जैसे ही मैं जोधपुर पहुंचा तो शहजाद भट्टी ने मुझे कॉल किया और मैसेज करते हुए मुझे 'काला हिरण' प्रोजेक्ट को छोड़ने की बात कही। धमकी देते हुए कहा कि प्रोजेक्ट से हट जाओ, हमारे हाथ बहुत लंबे हैं। जब मैंने कहा कि मैं तुम्हें नहीं जानता, उसने मुझे अपनी पुरानी खबरों के लिंक भेजे। हथियारों के साथ फोटो भेजते हुए कहा कि ये हमारे घर पर रहते हैं।

अमित ने कहा कि मैंने बताया कि मैं किसी गैंग का हिस्सा नहीं हूं। सभी आतंकवादियों पर फिल्म बना रहे हैं। मैं बहारों फूल बरसाओ गाने नहीं लिख सकता हूं। कुछ-कुछ होता है, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे.. ऐसी फिल्म नहीं बना सकता। मेरा सब्जेक्ट ये ही है। मैं आतंकवादी और लॉरेंस बिश्नोई गैंग का मेंबर नहीं हूं। मैं भारत देश का नागरिक हूं। शहजाद भट्टी घोषित आतंकवादी है।

थानाधिकारी दिनेश लखावत ने बताया कि अमित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

अजमेर के एक व्यक्ति से 7.22 लाख की ठगी

अजमेर, (निसं)। अजमेर में सायबर ठगी का एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें ऑनलाइन धमकी और भय का माहौल बनाकर एक व्यक्ति से 7 लाख 22 हजार 350 रुपए की ठगी कर ली गई। मामले की जानकारी मिलने के बाद सायबर थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सायबर थाना प्रभारी प्रहलाद सहाय ने बताया कि पीड़ित लक्ष्मी नारायण ने शिकायत में बताया कि अज्ञात सायबर ठगों ने ऑनलाइन संपर्क कर उन्हें डराया-धमकाया और विभिन्न माध्यमों से उनके खाते से 7 लाख 22 हजार 350 रुपए की राशि ठग ली। ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने राष्ट्रीय सायबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर सायबर पुलिस थाना एटीएस-एसओजी, जयपुर' में जीरो एफआईआर दर्ज की गई। प्रकरण राजस्थान क्षेत्राधिकार से संबंधित होने के कारण जीरो एफआईआर को आगे की कार्रवाई के लिए सायबर अपराध थाना, अजमेर भेज दिया गया। इसके बाद सायबर थाना अजमेर ने मुकदमा दर्ज कर लिया और आरोपियों की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए जांच शुरू कर दी है।

जोधपुर में उत्तराखंड के युवाओं की एसयूवी पलटी, एक की मौत

■ अन्य साथी घायल, गाड़ी के सामने नील गाय आने से हुआ हादसा

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती झंवर स्थित चिरायों की ढाणी के पास एसयूवी पलटी खाने से एक युवक की मौत हो गई और उसके कुछ साथी घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया है कि एसयूवी में सवार लोग उत्तराखंड के हैं और वे लोग नागाणा माताजी मंदिर के दर्शन कर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान चिरायों की ढाणी के पास गाड़ी के सामने अचानक से नील गाय आ गई थी। नील गाय को बचाने के चक्कर में एसयूवी कार पलटी खा गई। मामले में झंवर पुलिस की तरफ से कार्रवाई की गई।

झंवर पुलिस ने बताया कि उत्तराखंड के उत्तरकाशी स्थित जोडियाला निवासी विशेष नौटियाल पुत्र राधाकृष्ण की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका चचेरा भाई 31 वर्षीय शुभम नौटियान पुत्र बुद्धिसागर अपने कुछ साथियों संग नागाणा मंदिर दर्शन के लिए गया था। वापसी में यह लोग झंवर के चिरायों की ढाणी से निकल रहे थे। तब उनकी गाड़ी के सामने अचानक से नील गाय आ गई और गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में उसका चचेरा भाई शुभम बुरी तरह घायल हो गया, जिसकी अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। झंवर पुलिस के अनुसार गाड़ी में सवार कुछ अन्य भी चोटिल हुए है। गाड़ी छह सात लोग सवार थे।

रिश्वत लेते तीन गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। एसीबी चौकी भरतपुर इकाई द्वारा शुक्रवार को महिला पर्यवेक्षक क्षमा दहिया, सुनीता मुद्गल आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, राजबाला आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है।

एसीबी के महानिदेशक पुलिस गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी चौकी भरतपुर को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादिया द्वारा अपनी नौकरी में परेशान न करने व रिश्वत नहीं देने पर नौकरी से निकालने की धमकी देकर आरोपी 50 हजार रूपये रिश्वत की मांग कर परेशान कर रही है। जिस पर महिला एवं बाल विकास विभाग भरतपुर के सूरजपोल सैक्टर की महिला पर्यवेक्षक क्षमा दहिया, सुनीता मुद्गल आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कारे का नगला सैन्टर भरतपुर, राजबाला आंगनबाड़ी कार्यकर्ता डी ब्लॉक रंजीत नगर भरतपुर को दस हजार रूपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है।

कार्यालय नगरपालिका फतहनगर सनवाड जिला उदयपुर (राज.)
क्रमांक :न.पा.फ.स./2026-27/101 दिनांक :- 16.06.2026
- ई निविदा सूचना -
सूचना संख्या 03/2026-27
नगरपालिका फतहनगर सनवाड़ क्षेत्र के 2 जॉनो के 25 वार्डों में घर-घर कचरा संग्रहण, परिवहन, निस्तारण, आई.ई.सी. व यूजर चार्जेज संग्रहण का कार्य करने के लिए 2 कार्य की कुल राशि 77.00 लाख रूपयें हेतु 1 वर्ष के लिए अनुबंध हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से नगर पालिका फतहनगर सनवाड़ में उपयुक्त श्रेणी संवेदकों से निविदा दिनांक 18.06.2026 से 29.06.2026 तक ऑन लाईन आंमत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित निविदा प्रपत्र http://sppp.rajasthan.gov.in तथा http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है तथा निविदाओं को इस वेबसाइड पर भरी जानी है। निविदा के किसी भी भाग को अथवा निविदा को निरस्त करने का अधिकारी सक्षम प्राधिकारी नगरपालिका फतहनगर सनवाड़ को निहित होगा।
उक्त निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in तथा http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN NO- DLB2627SLRC07926, DLB2627SLRC07927
NIB CODE- DLB2627A3223
राज.संवाद/सी/26/5192
अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका फतहनगर सनवाड

Office of the Medical Superintendent
RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur
Address :Sector-11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Tonk Road, Jaipur -302033 (Raj.)
No. :- F. ( ) RUHS HMS/Store/2026-27/3483 Date :- 15/06/2026
Notice Inviting e-Bids
Single Stage Two envelope Online bids (e-bids) are invited upto 02.00 pm of 08-07-2026 for Supply and Installation of following Equipment/Items at Dept. of Obstetrics and Gynecology, RUHS Hospital, Jaipur

Sr. No.	Name of Equipment	Qty.	Total Est. Cost in Rs.
1.	4K Operating Laparoscopic Set	01	85,00,000.00
2.	Digital Video Colposcope	01	10,00,000.00
3.	Diagnostic Hysteroscopy Set with Hysteromat	01	10,00,000.00
4.	Laparoscopy Hand Instruments Set	As per List	6,00,000.00
5.	Laparoscopy Morcellator	01	3,00,000.00
6.	Cryo Cautery Apparatus	01	1,00,000.00
7.	Vacuum Extractor and Suction Machine	02	1,00,000.00

Details may be seen in the Bidding Documents at the Website sppp.raj.nic.in, or eproc.rajasthan.gov.in.
UBN: CMS2627GLOB00019
UBN: CMS2627GSOB00020-25
Raj.Samwad/C/26/5250
Medical Superintendent

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.JAIPUR
No.NIT/2026-27/3433-42 **अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 166/2026-27** Date:18.06.2026
निम्नलिखित कार्य के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है-

कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (रू.)
Construction of Major Bridge & Bypass at Sewla Village at Km. 58/100 to 59/700 on Bandh Baretha to Uchain via Kheriya Mod. (Sh-43) UBN: RRC2627WLOB00277	2089.39 Lakh

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट: http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://pwd.rajasthan.gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।
महाप्रबंधक

कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक करौली (राज.)
केशवपुरा पुलिया मण्डरायल रोड करौली, E-Mail :- adpcsamsakarauli@gmail.com
ई-निविदा सूचना संख्या-04/2026-27
कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा करौली के अधीन संचालित 14 पीएम श्री विद्यालयों (सूची संलग्न) में पूर्व प्राथमिक कक्षाएँ / बाल वाटिकाओ हेतु प्रति विद्यालय 01 एनटीटी / डिप्लोमा ट्रेंड व्यक्ति और 01 सफाईकर्मी की 10 माह की सेवाएँ हेतु (अनुमानित लागत 23.80 लाख रूपये) सेवा प्रदाता के माध्यम से ली जानी है। इस हेतु ई-निविदाएं दिनांक 15.06.2026 समय दोपहर 12.00 बजे से 24.06. 2026 सांय 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा में भाग लेने वाले संवेदकों को निविदा इलेक्ट्रोनिक फार्मेट में वेबसाइट https://eproc.rajasthan.gov.in पर जमा करवानी होगी। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण कार्यालय में कार्यालय समय एव www.eproc.rajasthan.gov.in एवं sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
UBN No.: RSE2627SLOB00470
राज.संवाद/सी/26/5264
अति० जिला परियोजना समन्वयक

नगर विकास न्यास, पाली
डाक बंगला परिसर, पाली, फोन नं. 02932-223222, ई मेल - uitpali@gmail.com
क्रमांक :- न्या.पा./विज्ञापन/2026/1488 दिनांक :- 15/06/2026
ई-निविदा सूचना संख्या - 25/2026-27
नगर विकास न्यास, पाली की ओर न्यास/राजकीय विभाग से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यों हेतु ऑन-लाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा न्यास कार्यालय, पाली में कार्य दिवस के दौरान देखी जा सकती है।
यूबीएन नं. :- ITP2627WSOB00028
राज.संवाद/सी/26/5275
अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगर पालिका नदबई (भरतपुर) राज0
Mail Id :- nadbai.jaipur@yahoo.com Ph. No.: 05643-276696
क्रमांक :- न.पा.न./निर्माण/2026-27/1389 दिनांक : 16.06.2026
BID No. 09/2026-27
नगर पालिका क्षेत्र नदबई में निम्न कार्य करवाये जाने वास्ते राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों में रजिस्टर्ड संवेदकों/फर्म/संस्थाओं के माध्यम से ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जा रही हैं। निविदा प्रपत्र eproc.rajasthan.gov.in पर या SPPP पोर्टल से या किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर प्राप्त किये जा सकते हैं। कार्यो के यू.बी. एन. नम्बर निम्न प्रकार हैं :-
DLB2627GLOB07865, DLB2627GLOB07868
राज.संवाद/सी/26/5180
अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका नदबई

सांभर एसडीएम ने खातेदारों का 60 साल पुराना जमीन बंटवारे का विवाद सुलझाया

■ सेवा शिविर में एसडीएम ने राजस्व रिकॉर्ड की जांच कर संबंधित खातेदारों को समझाया, इसके बाद वे सभी राजीनामा के लिए सहमत हो गए

ग्रामीण सेवा शिविर में एसडीएम ऋषिराज कपिल ने खातेदारों से समझाइश कर मामले को निपटाया।

सांभरझील, (निसं)। प्रदेश सरकार की ओर से चलाए जा रहे सेवा शिविर अनेक ग्रामीणों के लिए राहत भरा सिद्ध हो रहा है। शिविर में मौजूद सभी विभागों के अधिकारी ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर समाधान योग्य समस्याओं का मौके पर निस्तारण कर राहत देने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। ग्रामीण सेवा शिविर प्रभारी जो कि उपखंड अधिकारी ऋषिराज कपिल है, इस मामले में पूरी तरह मॉनिटरिंग कर समस्याओं का निस्तारण करने में लगातार जुटे हुए हैं।

ऐसा ही है एक मामला जब उपखंड अधिकारी ऋषिराज कपिल के समक्ष ग्राम खेड़ीराम के खातेदारों ने रखा कि उनकी जमीन बंटवारे का मामला पिछले 60 साल से लंबित चल रहा है और इसी विवाद के कारण उनको वास्तविक हक नहीं मिल पा रहा है, वे काफी हैरान और परेशान हैं। खातेदारों की पीड़ा को सुनकर एसडीएम ऋषिराज कपिल ने तत्काल संबंधित पटवारी व गिरदावर को जो कि शिविर में ही मौजूद थे को बुलवाया और उनके राजस्व रिकॉर्ड की जांच कर संबंधित खातेदारों को एक जगह बैठाकर उन्हें समझाया इसके बाद वे सभी राजीनामा के लिए सहमत हो गए और इस प्रकार प्रशासन की पहल पर साठ साल पुराने विवाद का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। बताया गया कि प्रार्थी केशर, डालचंद व मंगला पुत्र अर्जुन गुर्जर ने शिविर में उपस्थित शिविर प्रभारी ऋषिराज कपिल व तहसीलदार सृष्टि जैन, महावीर सिंह अतिरिक्त विकास अधिकारी पंचायत समिति सांभरलेक के समक्ष उपस्थित होकर इस विवाद को रखा। शिविर में ही शिविर प्रभारी द्वारा सभी खातेदारों से आपसी समझाइश कर गिरदवार व हल्का पटवारी को निर्देशित कर बंटवारा सम्बन्धित सम्पूर्ण कार्यवाही संपन्न कर खातेदारों को राहत दी, जिससे शिविर में उपस्थिति ग्रामीणों में खुशी जाहिर की व मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। शिविर के दौरान 200 राजस्व और 67 पंचायतीराज के प्रकरण के अलावा अन्य विभागों के सैकड़ों प्रकरण निस्तारित किए गए।

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER PHED CITY CIRCLE AJMER
LOHA KHAN TEMPO STAND, AJMER
Telphone no. 145-2970165 Email: address: seajmer@gmail.com
S.No. : SE/Ajmer/City Circle/Ar.City 1/2026-27/2353-56 Date: 08.06.2026
NOTICE INVITING TENDER
(NIT No. 04/2026-27)
Online tenders are hereby invited on behalf of the Governor of Rajasthan for the following works from bidders meeting eligibility as per criteria mentioned in detailed tender document which can be seen and downloaded from website http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.rajasthan.gov.in. The tenders are tobe submitted online in electronic format on website http://eproc.rajasthan.gov.in as per schedule given below:

S. No.	Name of Work	Estimated Cost (Rs. in Lacs)	Bid Security @2% (Rs)	Last date of Submission of tender	Due date for opening
04/ 2026-27	Rate Contract for Removal of Leakage InAC/CI/DI/MS/uPVC/ HDPE Pipeline & inter Connections work in Ajmer City under city division I nad II Ajmer	120.00	2,40,000	22.06.2026	23.06.2026

The fender shall be received online and opened in the office of Superintending Engineer, PHED, City Circle Ajmer. The cost of each tender document is Rs. 2,000/- (Rs. Two Thousand only) by depositing through e-Challan at e-grass System, RISL processing charges of Rs. 2,000/- (Rs. Two Thousand only) for each NIT and Bid securityas mentioned abvoe shall be deposit through e-Challan at e-grass System as described in detailed NIT in tender Document an uploaded online on designated website as above. This tender notification and other details can also be seen in NIT exhibited on web site http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.raj.nic.in from dated 08.06.2026 exhibited on web site http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.raj.nic.in from dated 08.06.2026.

Nit No.	SPP ID NO.	UBN NO.
04/2026-27	PHE2627A0897	PHE2627WSOB01803

DIPR/C/10481/2026
(Ramchandra Rar)
Superintending Engineer,
PHED, City Circle Ajmer

प्रदर्शन में निरंतरता को लेकर सवाल उठते हैं, क्योंकि मेरे मामले में पिछले चयन चक्र के मुकाबले अलग-अलग पैमाने और बातों को ध्यान में रखा गया। अगर वही नियम लागू होने थे जो पिछले एशियन गेम्स के चयन में लागू हुए थे।
- मनिका बत्रा

भारतीय टेनिस खिलाड़ी, मुख्य टीम में शामिल नहीं किये जाने पर।

आज का खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा

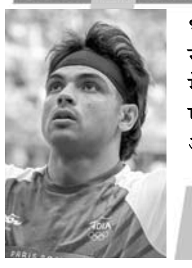

भारत के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने भारतीय खेलों को डोपिंग मुक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए भारतीय ओलंपिक संघ के साथ मिलकर एक विशेष जागरूकता अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान का उद्देश्य खिलाड़ियों को प्रदर्शन बढ़ाने वाली प्रतिबंधित दवाओं के खतरों के प्रति जागरूक करना और स्वच्छ खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रघुराम अय्यर ने बताया कि भारतीय ओलंपिक संघ और नीरज चोपड़ा फाउंडेशन के बीच क्लीन स्पोर्ट्स अभियान के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... पुरुषों के लिए पहला फुटबॉल फीफा विश्व कप 1930 में आयोजित किया गया था जबकि महिला टूर्नामेंट 1991 में शुरू हुआ था।

नॉकआउट चरण में पहुंचने वाला पहला देश बना मेक्सिको, दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराया

नई दिल्ली, 19 जून। फीफा विश्व कप 2026 में मेजबान मेक्सिको ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया और नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर ली। मुकाबले का एकमात्र और निर्णायक गोल लुइस रोमो ने दूसरे हाफ में किया। यह गोल दक्षिण कोरिया के गोलकीपर किम स्युंग-ग्यु की बड़ी गलती के बाद आया।

दूसरे हाफ के पांचवें मिनट में मेक्सिको ने बढ़त बनाई, जब एक क्रॉस को पकड़ने के प्रयास में किम अपने ही साथी खिलाड़ी से टकरा गए और गेंद उनके हाथ से छूट गई। मौके का फायदा उठाते हुए रोमो ने बिना किसी गलती के गेंद को खाली गोलपोस्ट में पहुंचा दिया। गोल खाने के बाद दक्षिण कोरिया ने वापसी की कोशिश की। हालांकि किम ने बाद में शानदार बचाव करते हुए राउल जिमेनेज को दूसरा गोल करने से रोक दिया। मुकाबले के अंतिम क्षणों में दक्षिण कोरिया को बराबरी का मौका मिला, लेकिन मेक्सिको के गोलकीपर राउल रांजेल ने यांग ह्युन-जुन के प्रयास को शानदार तरीके से रोककर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत के साथ मेक्सिको छह अंकों के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर रहा और अगले दौर में पहुंच गया। अब मेक्सिको अगले मुकाबले में बुधवार को एस्तादियो अज़्टेका में चेकिया का सामना करेगा। वहीं दक्षिण कोरिया, जिसके तीन अंक हैं, अपने अगले मुकाबले में मॉन्टेरी में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा।

कनाडा से 6-0 की हार के बाद फूट-फूटकर रोया कतर का गोलकीपर, विरोधी खिलाड़ी ने पोंछे आंसू

नई दिल्ली, 19 जून। कतर की विश्व कप में कनाडा के हाथों करारी हार से उसके खिलाड़ी और सरकारी खर्चे पर यहां पहुंचे 1000 से अधिक प्रशंसक निराश हो गए तथा अंतिम सीटी बजने के बाद गोलकीपर महमूद अबुनादा फूट-फूटकर रोने लगे, जिन्हें कनाडा के जैकब शैफेलबर्ग ने सांत्वना दी। कतर के कोच जुलेन लोपेटेगुई ने कहा, ''यह एक कठिन मैच था, क्योंकि इसमें हमारे लिए कुछ भी अच्छा नहीं रहा।

सब कुछ गलत हुआ। फुटबॉल में कभी-कभी ऐसा होता है।'' कतर को दूसरे हाफ के अधिकांश समय नौ खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा क्योंकि उसके दो खिलाड़ियों को लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया गया था। आखिर में उसे 6-0 से हार का सामना करना पड़ा, जो फारस की खाड़ी के इस देश की विश्व कप इतिहास में सबसे बुरी हार है। कतर ने 2022 में मेजबान के रूप में टूर्नामेंट में पदार्पण किया था और तब उसे इक्वाडोर से 2-0, सेनेगल से 3-1 और नीदरलैंड से 2-0 से हार मिली थी। कतर ने इस मैच में अपनी टीम का हौसला बढ़ाने के लिए विशेष चार्टर्ड विमान से लगभग 1000 प्रशंसकों को यहां भेजा था। खिलाड़ियों को उम्मीद थी कि वह उन्हें खुशियां मनाने का मौका देंगे लेकिन सब कुछ इसके उल्टा हुआ।

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक :- 34 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक : 18.6.2026

कोटा विकास प्राधिकरण कोटा द्वारा आवास/भूखण्ड संख्या 108 विस्तार न्यू हाड़ौती स्टोन मण्डी (राम नगर्नु योजना का आवंटन प्राधिकरण के पत्र क्रमांक 872 दिनांक 16.09.2002 द्वारा मै. राजस्थान सैल्स कार्पोरेशन प्रो. विजय कुमार भंसाली पुत्र श्री मांगीलाल भंसाली को आवंटन किया गया था। अवंटी विजय कुमार भंसाली की मृत्यु दिनांक 19.04.2019 को हो चुकी है। मृत्यु के पश्चात स्व. विजय कुमार भंसाली के वसीयत धारक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों में मृत्यु प्रमाण पत्र, आई.डी., शपथ पत्र, इत्यादि प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड/आवास को आवेदक श्री सुनील विजयवर्गीय पुत्र श्री कुंजबिहारी विजयवर्गीय द्वारा अपने नामहस्तान्तरण करने की स्वीकृति कोटा विकास प्राधिकरण से चाही जा रही है।
अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात् उक्त भूखण्ड / आवास संख्या-108 विस्तार न्यू हाड़ौती स्टोन मण्डी (राम नगरी योजना का नाम हस्तान्तरण नियमानुसार आवेदक श्री सुनील विजयवर्गीय पुत्र श्री कुंजबिहारी विजयवर्गीय के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक :- 37 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक : 19.6.2026

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण कोटा द्वारा दुकान/भूखण्ड संख्या-219 राजीव गांधी नगर स्पेशल आवासीय योजना का आवंटन / नामहस्तारण क्रमांक 372 दिनांक 17.01. 2020 को श्रीमति प्रतिभा जैन पत्नि श्री धनराज जैन को जारी किया गया था। श्रीमति प्रतिभा जैन की मृत्यु दिनांक 15.11.2025 को हो जाने के उपरांत विधिक वारिसान / वसीयत / हक त्याग (रिलीज डीड) के आधार पर श्री प्रतीक जैन पुत्र श्री धनराज जैन द्वारा उक्त भूखंण्ड / दुकान को अपने नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात् उक्त भूखण्ड / दुकान संख्या-219 राजीव गांधी नगर स्पेशल आवासीय योजना का नाम हस्तान्तरण आवेदक श्री प्रतीक जैन पुत्र श्री धनराज जैन के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय नगर परिषद, हिण्डौन सिटी, जिला करौली (राज.)

क्रमांक:न.प.हि./राजकाज रेफ. नं. **लोक सूचना** दिनांक:-19.06.26

क्र.सं.	नाम	पता
1	श्री अभिषेक शर्मा पुत्र श्याम सुन्दर	हिण्डौन सिटी

ने कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिवृति अधिकारों के निर्वापन के लिए शहरी सेवा शिविर में आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात

क्र.सं.	जिला एवं तहसील	ग्राम/कस्बा का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्रफल (है./ऐयर)
1	करौली/हिण्डौन	हिण्डौन ABCD	10627/1198	0.0162

इसलिये, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क (80) सुमोटो और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिये भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-2 किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेज के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर-2 किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 19.6.26 को जारी की गयी।

आयुक्त नगर परिषद हिण्डौन

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक :- एफ-15/कृ.भू.रू./2026/657 **विज्ञप्ति** दिनांक : 18.6.2026

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम कुन्हाडी खसरा नं. 340 में स्थित कृषि भूमि योजना गणपति रेजीडेन्सी भूखण्ड संख्या 45 आवेदक/आवेदिका श्रीमती रंजना माहेश्वरी पत्नि स्व. श्री अशोक माहेश्वरी निवासी सी-53, तलवण्डी कोट द्वारा ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु प्राधिकरण कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखण्ड का पट्टा क्रमांक 189 दिनांक 05.07.2017 को अशोक माहेश्वरी पुत्र श्री रामप्रसाद बंग के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टाधारी की मृत्यु प्रमाण पत्र अनुसार दिनांक 14.09.2020 को हो चुकी है। मृतक के विधिक वारिसान माता लीला देवी बंग, पुत्र आयुषी माहेश्वरी, पत्नि रंजना माहेश्वरी है। वारिसान लीला देवी यंग, आयुषी माहेश्वरी, द्वारा जर्ये रजि. हकत्याग पत्र दिनांक 12.06.2025 को आवेदिका के पक्ष में किया गया है।
अतः श्रीमती रंजना माहेश्वरी पत्नि स्व. श्री अशोक माहेश्वरी के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नहीं होगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक :- 18 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक : 8.6.2026

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा की राजीव गांधी नगर आवासीय योजना के भूखण्ड/आवास/दुकान संख्या 255 का आवंटन प्राधिकरण के आवंटन / नामहस्तांतरण पत्र क्रमांक 3082 दिनांक 15.12.2003 को श्रीमति सरोज गुप्ता पत्नि श्री सत्यनारायण गुप्ता को आवंटन / नामहस्तांतरण किया गया था। आवंटी श्रीमति सरोज गुप्ता कि मृत्यु दिनांक 09.08. 2025 को हो चुकी थी। अतः प्रस्तुत किये गये शपत पत्र, वसीयत, हक त्याग पत्र (रिलीज डीड) एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर उक्त दुकान का नाम हस्तांतरण चाहने हेतु श्री जितेन्द्र अग्रवाल पुत्र श्री सत्यनारायण गुप्ता द्वारा आवेदन किया है।
अतः जरिये आम सूचित किया जाता है यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति दर्ज करावे, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात् उक्त भूखण्ड/आवास / दुकान संख्या 255 योजना राजीव गांधी नगर आवासीय का नाम हस्तान्तरण आवेदक श्री जितेन्द्र अग्रवाल पुत्र श्री सत्यनारायण गुप्ता के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक :- एफ-15/कृ.भू.रू./2026/666 **विज्ञप्ति** दिनांक : 18.6.2026

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम देवली अरब योजना ''रॉयल विला'' खसरा नं. 242/1 में स्थित भूखण्ड संख्या 36 के ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु प्राधिकरण कार्यालय में श्री आदित्य मीणा पुत्र श्री रमेश कुमार मीणा निवासी कोटा बारां रोड बस स्टेंड अन्ता बारां राज. द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त भूखण्ड का पट्टा क्रमांक 402 दिनांक 02.10. 2021 को श्रीमती कामिनी मीणा पत्नि श्री रमेश कुमार मीणा के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टाधारी की मृत्यु प्रमाण पत्र के अनुसार दिनांक 25.10.2025 को हो चुकी हैं। आवेदक द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र एवं रजि. हकत्याग पत्र अनुसार मृत्क के विधिक वारीसान पति रमेश मीणा, पुत्र आदित्य मीणा, पुत्री सूर्याशी मीणा है। वारिसान रमेश कुमार मीणा व सूर्याशी मीणा द्वारा जर्ये रजि. हकत्याग पत्र दिनांक 24.12.2025 से आवेदक के पक्ष में किया गया है।
अतः श्री आदित्य मीणा पुत्र श्री रमेश कुमार मीणा के नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक :- एफ-15/कृ.भू.रू./2026/630 **विज्ञप्ति** दिनांक : 13.6.2026

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम नयाखेडा खसरा नं. 123 में स्थित कृषि भूमि योजना ज्ञान सरोवर कॉलोनी भूखण्ड संख्या डी-25 आवेदक/आवेदिका सीमा दाधीच पुत्री श्री गोविन्द प्रसाद दाधीच निवासी ग्राम पोस्ट बनेठिया वाया सुल्तानपुर तहसील दीगोद जिला कोटा हाल नि. ई-210, पार्श्वनाथ अपार्टमेन्ट नान्ता कोटा द्वारा ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु प्राधिकरण कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखण्ड का पट्टा क्रमांक 644 दिनांक 19.07.2013 को श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री झामन दास के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टाधारी द्वारा उक्त भूखण्ड का जर्ये नोटेरी शुद्धा मुख्तारआम दिनांक 23.04.2014 से श्रीमती दया बाई पत्नि श्री खुशीराम को नियुक्त किया गया है। मुख्तारआम द्वारा उक्त भूखण्ड का बैचान जर्ये रजिद्र विक्रय पत्र दिनांक 20.06.2022 को आवेदको के पक्ष में किया गया है।
अतः सीमा दाधीच पुत्री श्री गोविन्द प्रसाद दाधीच के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक :- एफ-15/कृ.भू.रू./2026/667 **विज्ञप्ति** दिनांक : 18.6.2026

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम बोरखण्डी योजना ''श्रीनाथ नगर-ए'' खसरा नं. 20 में स्थित भूखण्ड संख्या 47 के ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु प्राधिकरण कार्यालय में श्री रमेश कुमार मीणा पुत्र श्री बंशी लाल मीणा निवासी कोटा बारां रोड़, बस स्टेण्ड अन्ता, बारां राज. द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। भूखण्ड संख्या 47 का पट्टा क्रमांक 9265 दिनांक 21.03.2011 को श्रीमती कामिनी मीणा पत्नि श्री रमेश मीणा के पक्ष में जारी किया गया था। आवेदक द्वारा संलग्न मृत्यु प्रमाण पत्र के अनुसार श्रीमती कामिनी मीणा की मृत्यु दिनांक 25.10.2025 को हो चुकि हैं। आवेदक द्वारा प्रस्तुत विधिक वारियसान शपथ पत्र अनुसार मृत्क के विधिक वारीसान (1) रमेश मीणा (पति) (2) आदित्य मीणा (पुत्र) (3) सूर्याशी मीणा (पुत्री) है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत रजिस्ट्रड हक त्याग पत्र (रिलीज डीड) के अनुसार श्री आदित्य मीणा एवं सूर्याशी मीणा ने अपना हक त्याग कर भूखण्ड अपने पिता श्री रमेश मीणा के नाम कर दिया। आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज 1. विधिक वारिसान शपथ पत्र 2. मृत्यु प्रमण पत्र 3. हक त्याग पत्र (रिलीज डीड) के आधार पर आवेदक के नाम हस्तान्तरण चाहा गया है।
अतः श्री रमेश कुमार मीणा पुत्र श्री बंशी लाल मीणा के नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक :- एफ/ तहसील/ क.ब./2026/1270 दिनांक : 19.6.26

नाम हस्तातंरण हेतु विज्ञप्ति आम सूचना

कोटा विकास प्राधिकरण द्वारा कच्ची बस्ती नियमन के तहत सर्वे संख्या 308-बी कच्ची बस्ती संजय गांधी नगर का पट्टा नियमन क्रमांक नियम / आवंटन / 181 दिनांक 08.06.1990 को श्री बैजनाथ पुत्र काशीराम को आवंटित किया गया था। आवंटी बैजनाथ का स्वर्गवास दिनांक 20.08.2016 को हो जाने के कारण नोटेरी शुदा वसीयत नामा पत्र दिनांक 07.01.2017 से शपथ-पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्रीमती अनिता गुप्ता पत्नि सुरेश कुमार गुप्ता ने स्वंय के नाम हस्तानांतरण हेतु आवेदन किया है। जिसका नाम हस्तांतरण प्रस्तावित है।
अतः उक्त नाम हस्तानांतरण के सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह 7 दिवस में अपनी आपत्ति कार्यालय में स्वंय उपस्थित होकर लिखित में प्रस्तुत कर देवे। अन्यथा बाद मियाद उक्त आवास का नाम हस्तानांतरण श्रीमती अनिता गुप्ता पत्नि सुरेश कुमार गुप्ता के नाम से कर दिया जावेगा।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

नाम परिवर्तन

पूर्व में मेरा नाम अनिल कुमार यादव था अब मैंने अपना नाम बदलकर अनिल कुमार रख लिया है। भविष्य में मुझे अनिल कुमार के नाम से जाना व पहचाना जावे।

अनिल कुमार

आम सूचना

श्री कुन्दन यादव पुत्र श्री रामप्रसाद यादव, निवासी मकान नं. 3-डी-13, दादाबाड़ी विस्तार योजना, कोटा (राज.) द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य के मकान नं. 3-डी-13, दादाबाड़ी विस्तार योजना, कोटा (राज.) को विक्रय करने के लिये श्री रूपा गुर्जर पुत्र श्री रामकरण गुर्जर, निवासी भील मोहल्ला, रथ कांकरा, ग्राम बलिण्डा, बोराबास, तह. लाडपुरा, जिला कोटा से इकरार किया है। क्रेता श्री रूपा गुर्जर पुत्र श्री रामकरण गुर्जर उक्त मकान को क्रय करने के लिये बैंक ऑफ बड़ौदा, कोटा में साम्यक् बंधक रखने के लिये आवेदन किया है। उक्त मकान श्री कुन्दन यादव पुत्र श्री रामप्रसाद यादव के द्वारा श्री जगदीश कुमार यादव पुत्र श्री गोविन्द राम यादव, निवासी मकान नं. 623, बसन्त विहार, कोटा से जरिये विक्रय पत्र तारीखी 02.03. 2007 से क्रय किया गया था, जिसका पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय, कोटा द्वितीय में दिनांक 05.03. 2007 को हो रहा है। उक्त मकान से संबंधित असल आवंटन पत्र क्रमांक 11093 दिनांक 27.12.1980, जो कि राजस्थान आवासन बोर्ड, के द्वारा श्री जगदीश कुमार यादव के पक्ष में निष्पादित किया गया था, असल उपलब्ध नहीं है एवं गुम होना बताया गया है, जिसकी संबंधित थाने में इन्फोर्मेशन रिपोर्ट दर्ज करवा दी गई है। अगर किसी व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था को उपरोक्त वर्णित असल आवंटन पत्र के संदर्भ में किसी प्रकार की आपत्ति या एतराज हो तो वह सूचना प्रकाशन के 07 दिवस की अवधि में मुझे अपनी आपत्ति लिखित में प्रस्तुत कर दें, बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी।
कोटा
दिनांक

भवदीय
राजेश यादव, एडवोकेट
श्रीफलम, केशवपुरा, रंगबाड़ी मैन रोड़, कोटा, राज. 324009
मो. नं. 9414180334

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री हेमन्त कुमार मीणा पुत्र श्री उमाशंकर मीणा, निवासी 72, बैरवा बस्ती, ग्राम देंगनिया, तह. सांगोद, जिला कोटा द्वारा मकान नं. 907, बालाजी नगर आवासीय योजना, कोटा (राज.) को खरीदने बाबत् करार श्रीमती मन्जू बम्बेरवाल पत्नी श्री गिरिराज बम्बेरवाल, निवासी सी-561, इन्द्रा विहार, तलवण्डी, कोटा से किया हुआ है।
यह कि उक्त मकान से संबंधित असल विकय पत्र दिनांक 26.06.2006, जो कि श्री मुबारिक खान पुत्र श्री अब्दुल हकीम, निवासी आनन्दपुरा केशर रोड़, कोटा के द्वारा श्री कस्तूर चंद पुत्र श्री रामचंद, निवासी ग्राम रेलगांव, तह. दीगोद, जिला कोटा के पक्ष में निष्पादित किया गया था, जिसका पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय कोटा में दिनांक 26.06.2006 को पुस्तक सं. 1. जिल्द सं. 43, पृष्ठ सं. 110, क्रम सं. 2006001734 पर को हो रहा है, उक्त विकय पत्र कहीं गुम हो जाना बताया गया है एवं असल उपलब्ध नहीं है।
अतः हर आम व खास व वित्तीय संस्था को सूचित किया जाता है कि यदि उक्त मकान नं. 907, बालाजी नगर आवासीय योजना, कोटा (राज.) से संबंधित असल विक्रय पत्र दिनांक 26.06.2006 के संबंध में एवं उक्त मकान को विकय किये जाने के संबंध में कोई व्यक्ति अथवा संस्था किसी प्रकार का हित रखता हो या आपत्ति रखता हो तो वह अपनी आपत्ति मय दस्तावेज सूचना प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस की अवधि में मेरे समक्ष लिखित में प्रस्तुत करें, बाद गुजरने मियाद सूचना कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
कोटा
दिनांक 19.6.26

राजेन्द्र मंगल एडवोकेट
मकान नंबर 322 महावीर नगर द्वितीय, कोटा राज.
मो. 94148-02953

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री हितेश कुमार भड़ाना पुत्र श्री नाथूराम, निवासी 118, सामुदायिक केन्द्र के पास, केशवपुरा, सेक्टर-7 कोटा द्वारा मकान नं. 21, कृष्णा नगर, रंगबाड़ी, कोटा को खरीदने बाबत् करार श्रीमती हेम कंवर पत्नी श्री राजेन्द्र सिंह निवासी मकान नं. 21, कृष्णा नगर, रंगबाड़ी, कोटा से किया हुआ है।
यह कि उक्त प्लॉट नं. 21. कृष्णा नगर, रंगबाड़ी, कोटा श्री सुमित मीणा के पिता श्री कृष्ण मोहन को नगर विकास न्यास, कोटा द्वारा आवंटित किया गया था, जिसकी लीज डीड उनके पक्ष में दिनांक 30.07.13 को निष्पादित की गई, जिसका पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय, कोटा में दिनांक 30.07.13 को हो रहा है। श्री कृष्ण मोहन के स्वर्गवास के पश्चात् उनके उत्तराधिकारी श्रीमती सुगना बाई पत्नी स्व. कृष्ण मोहन, श्रीमती प्रतिभा पुत्री स्व. कृष्ण मोहन श्री पंकज मीणा एवं श्री सुमित मीणा पिसरान् स्व. कृष्ण मोहन उक्त सम्पत्ति के स्वामी बनें। इसके पश्चात् श्रीमती सुगना बाई, श्रीमती प्रतिभा एवं श्री पंकज मीणा द्वारा उक्त सम्पत्ति में निहित अपने-अपने अविभाजित हिस्से का हक त्याग जरिये रजिस्टर्ड रिलीज डीड दिनांक 24.11.2022 से श्री सुमित मीणा के पक्ष में किया गया, जिसका पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय, कोटा में दिनांक 24.11.2022 को हो रहा है। तत्पश्चात् श्री सुमित मीणा द्वारा उक्त प्लॉट का विक्रय श्रीमती हेम कंवर को जरिये विक्रय पत्र दिनांक 21.03.2023 से विक्रय किया था, जिसका पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय, कोटा में दिनांक 21.03.2023 को हो रहा है। तत्पश्चात् नगर विकास न्यास, कोटा द्वारा उक्त मकान का नाम हस्तांतरण जरिये कार्यालय आदेश क्रमांक 105 दिनांक 30.05.2023 के द्वारा किया गया है। तब से ही विक्रेता उक्त मकान की मालिक व काबिज चली आ रही है। उक्त सम्पत्ति पूर्व से ही महिन्द्रा होम फाईनेन्स, कोटा में रहन है।
अतः हर आम व खास व वित्तीय संस्था को सूचित किया जाता है कि यदि उक्त उक्त मकान नं. 21, कृष्णा नगर, रंगबाड़ी, कोटा को श्रीमती हेम कंवर के द्वारा विक्रय किये जाने के संबंध में किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो मय दस्तावेज प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस की अवधि में मेरे समक्ष लिखित आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करें, बाद गुजरने मियाद सूचना कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
कोटा
दिनांक 19.6.26

राजेन्द्र मंगल एडवोकेट
मकान नंबर 322 महावीर नगर द्वितीय, कोटा राज.
मो. 94148-02953

इंडिया-ए टीम पर अनुशासन का डंडा! वैभव और तिलक पर लटकी तलवार

नई दिल्ली, 19 जून। चल रही ट्राई-नेशन सीरीज़ के दौरान श्रीलंका के एक क्रिकेटर के साथ झगड़े के कारण भारत के क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी पर उनकी मैच फ़ीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया जा सकता है, और कप्तान तिलक वर्मा पर भी कार्रवाई हो सकती है। डाम्बुला में सोमवार को भारत ए और श्रीलंका ए के बीच हुए मैच के दौरान हुई घटनाओं के बाद, सूर्यवंशी और विशन हलंबागे पर उनकी मैच फ़ीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाने की सिफ़ारिश की गई है, जबकि वर्मा पर 30 प्रतिशत जुर्माना लगाने का प्रस्ताव है। मैच रेफरी प्रदीप जयप्रकाश ने श्रीलंका ए के विकेटकीपर-बल्लेबाज निरोशन डिकवेला पर भी 20 प्रतिशत जुर्माना लगाने की सिफारिश की है। हह कार्रवाई एक घटना के बाद की गई है जिसमें मैच खत्म होने के बाद सूर्यवंशी को विशन हलाम्बेज और श्रीलंका के कई अन्य क्रिकेटरों के साथ तीखी बहस करते देखा गया था। यह मैच काफी कड़ा मुकाबला था, लेकिन इसका अंत बहुत खराब तरीके से हुआ। सूर्यवंशी को हलाम्बेज को धक्का देते हुए भी देखा गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, टूर्नामेंट की शुरुआत से ही श्रीलंका के कुछ क्रिकेटर सूर्यवंशी और उनके इंडिया ए के कुछ साथियों की स्लेजिंग कर रहे थे और अक्सर आईपीएल में उनके प्रदर्शन को लेकर उनका मज़ाक उड़ाते थे।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टी-20 में बांग्लादेश को 7 रन से हराया

चटगांव, 19 जून। ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के दूसरे मुकाबले में बांग्लादेश को सात रन से हराकर श्रृंखला अपने नाम कर ली। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने ढाका में एकदिवसीय श्रृंखला में मिली हार का हिसाब बराबर किया और साथ ही वर्ष 2021 के बाद पहली बार बांग्लादेश की धरती पर टी-20 श्रृंखला जीतने में सफलता हासिल की। ऑस्ट्रेलिया की जीत के नायक मैट रेनशॉ रहे, जिन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 89 रन बनाए। उन्होंने टिम डेविड (45 रन, 26 गेंद) के साथ चौथे विकेट के लिए केवल 50 गेंदों में 97 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। शुरुआती झटकों के बाद दोनों बल्लेबाजों ने पारी को संभालते हुए बड़ा स्कोर खड़ा किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने पावरप्ले में तीन विकेट गंवा दिए। हालांकि रेनशॉ और डेविड की आक्रामक बल्लेबाजी ने मैच का रुख बदल दिया। अंतिम ओवरों में रेनशॉ और जोएल डेविस ने तेज रन जोड़कर टीम को 20 ओवर में 197/5 के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक :- 36 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक : 19.6.2026

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण कोटा द्वारा दुकान/भूखण्ड संख्या-324 राजीव गांधी नगर योजना का आवंटन/नामहस्तारण क्रमांक 535 दिनांक 15.12.2003 को श्रीमति सुशीला जैन पत्नि स्व. श्री पारस चन्द्र जैन को जारी किया गया था, जिसका कार्यालय आदेश जारी कर उक्त भूखण्ड श्रीमति सुशीला जैन एवं श्री प्रमोद कुमार जैन को संयुक्त रूप से जारी किया गया था। श्रीमति सुशीला जैन की मृत्यु दिनांक 21.07.2025 को हो जाने के उपरांत विधिक वारिसान/वसीयत/हक त्याग (रिलीज डीड) के आधार पर श्री प्रमोद कुमार जैन पुत्र स्व. श्री पारस चन्द्र जैन एवं श्रीमति चन्द्र कला जैन पत्नि श्री प्रमोद कुमार जैन द्वारा उक्त भूखण्ड/दुकान को अपने नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात् उक्त भूखण्ड/दुकान संख्या-324 राजीव गांधी नगर योजना का नाम हस्तान्तरण आवेदक श्री प्रमोद कुमार जैन पुत्र स्व. श्री पारस चन्द्र जैन एवं श्रीमति चन्द्र कला जैन पत्नि श्री प्रमोद कुमार जैन के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक :- 2 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक : 19.06.2026

नगर विकास न्यास कोटा की श्रीनाथपुरम-सी स्पेशल पुनर्वास योजना के भूखण्ड/आवास संख्या 10 का आवंटन/विक्रय/हस्तान्तरण/रजि. न्यास के पत्र दिनांक 17.09.2001 को श्री मोहनलाल पुत्र श्री हीरालाल के नाम से आवंटन किया गया था। आवंटी श्री मोहनलाल द्वारा उक्त भूखण्ड का जर्ये इकरारनामा दिनांक 08.07.2009 द्वारा श्रीमती बादाम बाई पत्नी श्री शिवनारायण मेहता को विक्रय कर दिया गया है क्रेता श्रीमती बादाम बाई की मृत्यु दिनांक 29.10.2023 को एवं उनके पति श्री शिवनारायण मेहता की मृत्यु दिनांक 29.01.2013 हो चुकी है। मृत्यु उपरान्त क्रेता के विधिक वारिसान श्री गजेन्द्र कुमार मेहता पुत्र स्व. श्री शिवनारायण मेहता द्वारा द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजो में मृत्यु प्रमाण पत्र, आई.डी., वारिसान शपथ पत्र, हक त्याग पत्र (रिलीज डीड) इत्यादि प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड/आवास अपने नामहस्तान्तरण करने की स्वीकृति कोटा विकास प्राधिकरण से चाही जा रही है।
अतः प्राप्त विधिक राय अनुसार जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात् उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 10 योजना श्रीनाथपुरम-सी स्पेशल पुनर्वास का नाम हस्तान्तरण श्री गजेन्द्र कुमार मेहता पुत्र श्री स्व. शिवनारायण मेहता के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

जयपुर के मनोज दासोत राजस्थान बैडमिंटन संघ उपाध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर, 19 जून। आज भीलवाड़ा में संपन्न हुए राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन के चुनाव में जयपुर बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव मनोज दासोत राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन के उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए। उन्हें पुनः राजस्थान बैडमिंटन के उपाध्यक्ष बनने पर जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष अनिल मेहता व कोषाध्यक्ष अतुल गुप्ता ने बधाई दी।

आरोही और शौर्य भार्गव ने अंडर-17 डिस्ट्रिक्ट चैम्पियनशिप जीती

जयपुर, 19 जून। अंडर-17 ज़िला चयन टूर्नामेंट में आरोही शर्मा और शौर्य भार्गव नए विजेता बनकर उभरे। टूर्नामेंट की शुरुआत में 5वीं वरीयता प्राप्त आरोही और शौर्य ने क्रमशः लड़कियों के वर्ग में कैवल्य गोयनका और गहना अजमेरा को तथा लड़कों के वर्ग में गौरांश शर्मा, गर्वित शर्मा और नील मिधा को हराकर खिताब अपने नाम किया। प्रेसिडेंट श्रीमती आशा भार्गव, सेक्रेटरी जयेंद्र चतुर्वेदी और ट्रेज़रर मधु मेहता ने विजेताओं, उनके माता-पिता और कोचों को बधाई दी।

कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता में जयपुर, उदयपुर, सीकर व नागौर जीती

जयपुर, 19 जून। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता के सुपर लीग मैचों में जयपुर , उदयपुर , सीकर व नागौर ने शानदार जीत दर्ज की। आज समाप्त हुए मैचों का परिणाम :- जयपुर - बीकानेर, जयपुर पारी व 188 रनो से जीती जालोर - उदयपुर, उदयपुर पारी व 112 रन से जीती नागौर - करौली, नागौर 75 रन से जीती।

राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन प्रतियोगिता में बाड़मेर, झुंझनू जीती - राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर, अलवर में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन प्रतियोगिता के नौक आउट दौर के आज खेले गए मैचों में बाड़मेर व झुंझनू ने जीत दर्ज करते हुए प्रतियोगिता के अगले दौर में प्रवेश किया। आज खेले गए मैचों का परिणाम :- आरसीए अकादमी - बाड़मेर - हनुमागढ़, बाड़मेर 117 रनो से जीती सूरत ग्राउंड,। अलवर राजसमंद - झुंझनू, झुंझनू 6 विकेट से जीती।

राजस्थान सरकार
स्वायत्त शासन विभाग

राज्य सरकार द्वारा शहरी नागरिकों की कठिनाइयों के निवारण प्रदत्त सेवाओं के शीघ्र निस्तारण एवं जन समस्याओं के समाधान हेतु जनहित में

शहरी सेवा शिविर 2026

दिनांक-12/06/2026 से 15/07/2026 तक

शिविर स्थल-नगरपालिका सभागार, रावतभाटा

अभियान में किये जाने वाले कार्य

सामान्य कार्य

1- सफाई व्यवस्था में सुधार के कार्यवाही
2- सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था के तहत नई लाइट लगवाने एवं बंद पड़ी लाइटों को चालू करवाना
3- सड़क मरम्मत / पेंच वर्क के प्रस्ताव स्वीकृत कर मौके पर कार्य करना
4- सामुदायिक केंद्र सार्वजनिक स्थलों का रखरखाव का कार्य
5- विभिन्न राजकीय जनहित योजनाओं के तहत प्राप्त कर स्वीकृति जारी करना
6- जन्म, मृत्यु, विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र जारी करना
7- फायर एनओसी ट्रेड लाइसेंस डेयरी बूथ अनुज्ञा पत्र जारी करना
8- पार्किंग स्थलों का चिन्हीकरण करना
9- शहर के प्रमुख चावन का रखरखाव एवं सौंदर्यकरण
10-सीवर कनेक्शन
11-नल, बिजली, ऋण, विक्रय, आदि प्रमाण पत्र

भूमि संबंधी कार्य:-

1- भवन विनय विनिमय 2025 के तहत भवन निर्माण की स्वीकृति
2- नामांतरण / नाम स्थानांतरण
3- कृषि भूमि के अकृषि प्रयोजन की अनुज्ञा 90A/908 एवं नियम 12 के तहत लीजिए हॉल फ्री होल्ड पट्टे
4- अवाप्त/अर्जन भूमि के बदले भूखंड का फ्रीहोल्ड पट्टा
5- लीज मुक्ति प्रमाण पत्र
6- उप विभाजन / पुनर्गठन भू उपयोग नामान्तर /खांचा भूमि / बढ़ी हुई भूमि के आवंटन / स्वीकृति आदेश के पश्चात पुराना पट्टा का समर्पण कर नया लीज होल्ड / फ्री होल्ड पट्टा
7- लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टे (आवंटन नीति, कच्ची बस्ती, स्टेट ग्रांट के पट्टे नियम 1974 के नियम 18 से 19 में आवंटित भूमि को छोड़कर

राज.संवाद/सी/26/5237

विवेक गरासिया
प्रशासक
नगरपालिका रावतभाटा

नगरपालिका रावतभाटा

मुकेश नागर
अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका रावतभाटा

सार-समाचार

शिविर में हो रहे आमजन के लंबित कार्य

छबड़ा (निसं)। राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे शहरी सेवा शिविर के तहत नगर पालिका में आयोजित शिविर में आ रहे लोगो की समस्याओं का त्वरित समाधान के प्रयास लगातार किये जा रहे है। अधिशासी अधिकारी संदीप गहलोत ने बताया कि पालिका मे पूर्व मे जारी पट्टो के समर्पण के पश्चात् पुनः पट्टा 4, भवन मानचित्र 1, निर्माण अवधि विस्तार के प्रकरण में जारी स्वीकृतियां, छूट 1, स्टेट ग्राण्ट एक्ट 1 आवेदन प्राप्त हुआ, 1-कृषि भूमि, 2 पूर्व मे जारी पट्टों के समर्पण के पश्चात् पुनः पट्टा, 3-भवन मानचित्र, 2-निर्माण अवधि विस्तार के प्रकरण में जारी स्वीकृतियां, छूट, 5-जन्म प्रमाण पत्र, 1 मृत्यु प्रमाण पत्र एवं 16 सफाई की समस्याओ व 03 नवीन एलईडी लाईट, 7 लाईट की समस्याओ का निस्तारण मोके पर ही किया गया। शिविर के दौरान आमजन ने 575 अलग-अलग प्रकार की चिकित्सीय जाँच का लाभ लिया गया। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग से सम्बन्धित 15 समस्याए प्राप्त हुई है, सभी 15 समस्याओ का त्वरित समाधान किया गया, ऊर्जा विभाग से सम्बन्धित सभी 11 समस्याओ का त्वरित समाधान किया गया।

आरपीएफ जवान ने यात्री की जान बचाई

छबड़ा (निसं)। रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ जवान रामावतार सिंह ने अद्भुत साहस, सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए एक यात्री की जान बचाई। रात लगभग 10:15 बजे ट्रेन संख्या 61634 के दौरान एक यात्री चलती ट्रेन से गिरने की स्थिति में आ गया, तभी आरपीएफ जवान रामावतार सिंह ने तत्काल सूझबूझ और बहादुरी का परिचय देते हुए उसे सुरक्षित बचा लिया। इस बचाव कार्य में डॉ. जीशान अहमद ने भी महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। दोनों की त्वरित कार्रवाई और मानवता से परिपूर्ण प्रयासों ने एक संभावित बड़ी दुर्घटना को टाल दिया। रामावतार सिंह की कर्तव्यनिष्ठा, साहस और जनसेवा के प्रति समर्पण पुलिस एवं रेलवे सुरक्षा बल की उत्कृष्ट कार्यशैली का प्रेरणादायक उदाहरण है। क्षेत्रवासियों ने इस सराहनीय कार्य के लिए आरपीएफ जवान रामावतार सिंह एवं डॉ. जीशान अहमद के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

आसमान से फिर बरसी राहत की बारिश

छबड़ा (निसं)। शहर सहित ग्रामीण अंचल में शुक्रवार शाम को उमस भरी गर्मी के बीच राहत की बारिश हुई। शाम करीब चार बजे आसमान में घने काले बादल छा गए, जिसके बाद जोरदार बारिश का दौर शुरू हुआ। इस बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली और किसानों के चेहरे भी खिल उठे। खेतों में लगी फसलों के लिए यह बारिश संजीवनी बनी है। बारिश के दौरान घरों से बाहर निकलने पर लोगों ने बदले हुए मौसम का अनुभव किया, जहां ठंडी हवाएं चल रही थीं और बादल छाए हुए थे। ग्रामीण क्षेत्रों में यह बारिश किसानों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद साबित हुई है। बारिश के बाद किसानों ने खरीफ फसल की तैयारियों के लिए खेतों का रुख किया। किसानों ने बताया कि समय पर हुई यह बारिश जमीन में नमी बढ़ाने और खेती की तैयारियों के लिए अत्यंत लाभकारी होगी। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण ही क्षेत्र में यह मौसमी बदलाव देखा गया है। आगामी दिनों में भी बादलों की आवाजाही बनी रहने और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने बॉब गोल्डन गोल डिपॉजिट योजना लॉन्च की

कोटा, (निसं)। बैंक ऑफ बड़ौदा ने 555 दिनों की विशेष अवधि वाली नई रिटेल सावधि जमा योजना बॉब गोल्डन गोल डिपॉजिट योजना शुरू की है। योजना के तहत सामान्य नागरिकों को 6.75 प्रतिशत, वरिष्ठ नागरिकों को 7.25 प्रतिशत तथा अति वरिष्ठ नागरिकों (80 वर्ष एवं अधिक) को 7.35 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर मिलेगी। गैर-प्रतिदेय जमा पर अधिकतम 7.40 प्रतिशत तक ब्याज दिया जाएगा। यह योजना 3 करोड़ से कम राशि की रिटेल सावधि जमाओं पर लागू होगी। बैंक की कार्यपालक निदेशक बीना वाहिद ने कहा कि वर्तमान ब्याज दर परिदृश्य में यह योजना ग्राहकों को आकर्षक और सुनिश्चित प्रतिफल का अवसर प्रदान करेगी। ग्राहक बैंक की शाखाओं, मोबाइल बैंकिंग ऐप बॉब वर्ल्ड, इंटरनेट बैंकिंग तथा बैंक की वेबसाइट के माध्यम से सावधि जमा खाता खोल सकते हैं।

उत्तर मैट्रिक छात्रवृति के लंबित आवेदनों के लिए अंतिम अवसर

कोटा, (निसं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजनान्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2024-25 एवं 2025-26 के छात्रवृति आवेदन, जो कि विद्यार्थियों/शिक्षण संस्थानों के स्तर पर लंबित है, ऐसे छात्रवृति आवेदनों को निदेषालय स्तर से शीघ्र ही स्थाई निरस्त किया जाना प्रस्तावित है। संयुक्त निदेशक सविता कृष्णिया ने बताया कि विद्यार्थियों/शिक्षण संस्थाओं को अंतिम अवसर प्रदान करते हुए उनके स्तर पर लंबित छात्रवृति आवेदनों को 25 जून 2026 से पूर्व विभागीय कार्यालय को भिजवाना सुनिश्चित करें। तिथि के बाद उक्त शैक्षणिक सत्रों के विद्यार्थियों/शिक्षण संस्थानों के स्तर पर लंबित छात्रवृति आवेदन पत्रों को स्थाई निरस्त कर दिया जाएगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी विद्यार्थियों/शिक्षण संस्थाओं की होगी।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कल

रामगंजमंडी, (निसं)। 12वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून रविवार को जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) पर भी सुबह 6 से 8 बजे तक मनाया जाएगा। सीएमएचओ डॉ.नरेन्द्र नागर ने बताया कि भारत सरकार से प्राप्त दिशा निर्देशानुसार योग दिवस के सफल क्रियान्वयन के लिए आमजन की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चत करने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर कार्यरत सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अपनी टीम के साथ अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर योग गतिविधियों के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान कर रहे हैं और सेन्टर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में आमजन की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चत करेगें। आयुष विभाग से समन्वय कर योग दिवस पर योगा करवाया जाएगा।

योग, ध्यान एवं विश्राम का अभ्यास कराया

रामगंजमंडी, (निसं)। शहर के गायत्री शक्तिपीठ में आयोजित निःशुल्क योग शिविर के तीसरे दिन शुक्रवार को राष्ट्रीय सर्टिफाईड योग शिक्षिका ऋषिका जैन ने प्रतिभागियों को संगीत की मधुर धुनों के साथ योग, ध्यान एवं विश्राम तकनीकों का अभ्यास कराया। योग और संगीत के अद्भुत समन्वय से उपस्थित साधकों ने मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा एवं आंतरिक संतुलन का अनुभव किया। योग शिक्षिका ऋषिका जैन ने बताया कि नियमित योग, ध्यान और प्राणायाम के साथ मधुर संगीत का संयोजन तनाव को कम करने, मन को एकाग्र करने तथा जीवन में सकारात्मकता लाने में अत्यंत सहायक होता है। उन्होंने सभी से स्वस्थ एवं संतुलित जीवन के लिए प्रतिदिन योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आव्हान किया

राधामोहनदास अग्रवाल आज कोटा प्रवास पर

कोटा, (निसं)। भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने बताया कि राधामोहनदास अग्रवाल, राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश प्रभारी व राष्ट्रीय महामंत्री, शनिवार को निजी कार्यक्रम को लेकर कोटा प्रवास पर रहेंगे। जैन ने बताया की राधामोहनदास अग्रवाल, राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन से शनिवार सुबह कोटा जंक्शन पर पधारेंगे, जहां भारतीय जनता पार्टी कोटा शहर के सानिध्य में प्रदेश प्रभारी का भव्य स्वागत, अभिनंदन होगा। जैन ने बताया की श्री आशुतोष महादेव मंदिर, पार्वती पुरम कॉलोनी, चंद्रसेल रोड, कोटा में प्रदेश प्रभारी रक्तदान शिविर में सम्मिलित होगे तथा यहां पर एक पेड मां के नाम अभियान के तहत, पौधारोपण भी करेंगे। इसके पश्चात् निजी कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

सेवा कार्य पर गांधी का जन्मदिन मनाया

छबड़ा (निसं)। यूथ कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी का जन्मदिन पर राजकीय हॉस्पिटल में फल वितरित किए गए। युवा नेता दीपक त्यागी ने बताया कि राहुल गांधी के जन्मदिन पर गौशाला में गायों को चारा खिलाया व राजकीय हॉस्पिटल में फल वितरण कर गांधी की लंबी उम्र की कामना की। यूथ प्रदेश संयोजक जुनेद खान, सेवादल नगर अध्यक्ष अजय गालव, वसिक अहमद, राजकुमार शर्मा, रवि लोधा एनएसयूआई ब्लॉक अध्यक्ष, पंकज शर्मा, नितिन मालव, विकास वर्मा, वतन मीणा आदि मौजूद थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर बैठक

छबड़ा (निसं)। अलख निरंजन ज्योति ध्यान योग केंद्र एवं ओशोआशीष ध्यान योग केंद्र अमीरपुर खेडी पर 21 जून को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन को लेकर योगाध्यक्ष एसएल नागर की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई।

विधायक कल्पना देवी ने 19 नियुक्ताओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए

■ प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत प्रोत्साहन के रूप में 2,400 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि वितरित की

कोटा, (निसं)। प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के सफल क्रियान्वयन के उपलक्ष में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में एक राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के अंतर्गत प्रत्यक्ष लाभअंतरण (डीबीटी) के माध्यम से लगभग 2,400 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि लाभार्थियों को हस्तांतरित की। इस प्रोत्साहन वितरण से 15 लाख से अधिक अतिरिक्त रोजगारों को समर्थन मिलने की संभावना है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लाभार्थियों के साथ संवाद भी किया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे तथा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने भी भाग लिया।

विज्ञान भवन में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दूरदर्शन पर सभी क्षेत्रीय स्थलों पर किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से देशभर में 200 स्थानों पर समानांतर क्षेत्रीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों,उपमुख्यमंत्रियों, राज्य मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, महापौरों तथा अन्य जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों की सहभागिता रही।

कोटा में विधायक कल्पना देवी ने 19 नियुक्ताओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के अंतर्गत एक क्षेत्रीय कार्यक्रम का आयोजन पुरुषार्थ भवन कोटा में हुआ।

कार्यक्रम में लाडपुरा विधायक कल्पना देवी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर विधायक कल्पना देवी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री विकसित भारत योजना के तहत युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

उन्होंने विकसित भारत की परिकल्पना करते हुए विकसित भारत के मुख्य चार वर्गों पर प्रकाश डालते हुए कहा की यदि युवा, महिला, किसान और गरीब आर्थिक रूप से सशक्त होंगे तो निश्चित ही 2047 तक भारत विकसित भारत की श्रेणी में आ जाएगा इसके लिए हम सबको मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर उन्होंने 19 नियुक्ताओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

प्रारंभ मे क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त सुधीर बत्रा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा की प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना भारत सरकार की एक प्रमुख रोजगार-आधारित प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना है, जिसका उद्देश्य अ ौपचारिक रोजगार को बढ़ावा देना, संगठित क्षेत्र में पहली बार प्रवेश करने वाले कर्मचारियों को सहायता प्रदान करना तथा नियोक्ताओं को अतिरिक्त रोजगार सृजन हेतु प्रोत्साहित करना है।

इस अवसर पर एस एस आई के पूर्व प्रेसिडेंट गोविंद राम मित्तल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अंत में सहायक आयुक्त अनुराधा सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

हीरो मोटोकॉर्प ने पेश की सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक 2.0

■ भारत की सबसे भरोसेमंद 125सीसी मोटरसाइकिल को मिला नया अपग्रेड

कोटा में भी हीरो मोटोकॉर्प की सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक 2.0 का लॉचिंग कार्यक्रम सिटी पार्क में आयोजित हुआ।

कोटा, (निसं)। सबसे बेहतरीन कम्यूटर मोटरसाइकिल को अब एक बड़ा अपग्रेड मिल गया है।

दुनिया की सबसे बड़ी मोटरसाइकिल और स्कूटर निर्माता कंपनी, हीरो मोटोकॉर्प ने आज नई सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक 2.0 लॉन्च की है, जो भारत की सबसे भरोसेमंद और पसंदीदा कम्यूटर मोटरसाइकिल है।

कंपनी की उत्पादों में नयापन लाने की रणनीति के तहत तैयार की गई यह नई सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक 2.0 रोज़मर्रा के सफर को और बेहतर बनाने के लिए बनाई गई है।

इसमें शानदार टेक्नोलॉजी अपग्रेड्स, माइलेज में बड़ा सुधार और आज के प्रगतिशील राइडर्स की पसंद को ध्यान में रखकर बनाया गया एक बोल्ड और आधुनिक डिज़ाइन दिया गया है। कोटा के सिटी पार्क में

इसका लॉन्चिंग प्रोग्राम आयोजित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोग यहां पर पहुंचे। कोटा के हीरो डीलर्स भी इस दौरान मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि साल 1994 से भारत के करोड़ों राइडर्स को सफर का सहारा देने वाले स्प्लेंडर के भरोसेमंद नाम और विरासत पर बनी, नई सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक 2.0 को उन राइडर्स के लिए डिज़ाइन किया गया है जो आधुनिक सुविधाओं और अगली पीढ़ी के टेक फीचर्स के साथ-साथ भरोसेमंद परफॉर्मेंस चाहते हैं।

इस लॉन्च के मौके पर हीरो मोटोकॉर्प के चीफ बिजनेस ऑफिसर, इंडिया बिजनेस यूनिट, आशुतोष वर्मा ने कहा, हीरो मोटोकॉर्प की स्प्लेंडर ने पिछले तीन दशकों से भी ज्यादा समय से करोड़ों ग्राहकों को भरोसा, बेहतरीन परफॉर्मेंस और रोज़मर्रा की विश्वसनीयता देने की एक मजबूत विरासत बनाई है।

नई सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक 2.0 एक बोल्ड व आधुनिक डिज़ाइन, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और बेहतर सुविधा वाले फीचर्स के साथ इसी वादे को आगे बढ़ाती है।

अपने भरोसेमंद परफॉर्मेंस, रोज़मर्रा की उपयोगिता और शानदार राइडिंग अनुभव के साथ, सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक 2.0 इस सेगमेंट में हीरो मोटोकॉर्प की बादशाहत को और मजबूत करेगी, साथ ही अपने ग्राहकों को बेहतरीन वैल्यू देने के हमारे वादे को भी पूरा करेगी।

परियोजनाओं की स्वीकृति से लेकर कार्यादेश तक सभी प्रक्रियाओं को स्ट्रीम लाइन करें- भजनलाल

राज उन्नति की बैठक में खाटू श्याम जी मंदिर को भव्य स्वरूप प्रदान करने के निर्देश दिए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित राज उन्नति की छठी बैठक में अधिकारियों दिशा-निर्देश दिए।

जयपुर, 19 जून। मुख्यंमत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पानी, बिजली, चिकित्सा, सड़क सहित, जनसुविधाओं से जुड़े किसी भी काम में प्रशासनिक शिथिलता के कारण देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में ''राज उन्नति'' की छठी बैठक में कहा कि आमजन को

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीगंगानगर जिले में एक ही भूमि के दो पट्टे जारी किए जाने पर व जन सुविधा की आरक्षित भूमि पर व्यवसायिक पट्टा देने के प्रकरण में यूआईटी सचिव सहित 6 कार्मिकों को निलंबित करने के निर्देश दिए।**

योजनाओं और विकास परियोजनाओं का निरन्तर लाभ मिलना चाहिए। निविदा प्रक्रिया में देरी या किसी भी अन्य कारण से इनमें रूकावट आई तो अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने सांगानेर में सीईटीपी के पम्पिंग स्टेशन और पाइप-लाइन के काम में देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकारी मौके पर जाकर मुआयना करें और शीघ्रता से काम पूरा करवाएं। उन्होंने कहा कि देखने में आया है कि बड़ी परियोजनाओं में स्वीकृतियां, भूमि अधिग्रहण, निविदा प्रक्रिया और कार्यादेश जारी करने में लम्बा समय लगता है। उन्होंने मुख्य सचिव को इन प्रक्रियाओं को स्ट्रीमलाइन कर परियोजनाओं में लगने वाले समय को कम करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने श्रीगंगानगर जिले में एक ही भूमि के दो पट्टे जारी किए जाने पर, तथा जनसुविधा हेतु आरक्षित भूमि पर व्यावसायिक पट्टे जारी किए जाने के प्रकरण में यूआईटी सचिव सहित, इस प्रकरण में संलिप्त आधा दर्जन से अधिक कार्मिकों को निलंबित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की जिलेवार रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने 7 विभागों की 8 परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इन परियोजनाओं को मिशन मोड पर पूर्ण जिम्मेदारी से तय समय सीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग और आरएसआरडीसी के अधिकारी निर्धारित ब्लू प्रिंट के अनुसार कार्य करते हुए खाटूश्याम जी मंदिर को भव्य स्वरूप प्रदान करें।

उन्होंने सचिवालय में स्थानाभाव को देखते हुए, जयपुर के लालकोठी क्षेत्र में प्रस्तावित कर्मयोगी भवन स्थापना की कार्ययोजना की समीक्षा की तथा आरएसआरडीसी को निर्माण कार्य शीघ्र प्रारम्भ करने के निर्देश दिए।

इस दौरान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज उन्नति की पूर्व बैठकों में मुख्यमंत्री के निर्देशों की अनुपालना की प्रगति की जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि हर माह होने वाली राज उन्नति की बैठक में मुख्यमंत्री वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीसी के माध्यम से सीधे संवाद कर प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा करते हैं तथा समस्या का वास्तविक समय में समाधान किया जाता है।

पार्टी की सदस्यता छोड़ने पर संसद की सदस्यता भी चली जाती है- अभिषेक बनर्जी

नई दिल्ली, 19 जून। तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी ने शुक्रवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से संसद भवन में मुलाकात की। मुलाकात में उन्होंने अध्यक्ष से अनुरोध किया कि तृणमूल से अलग होने की बात कहने वाले धड़े को मान्यता नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान स्पष्ट कहता है कि पार्टी की सदस्यता छोड़ने

- **तृणमूल नेता ने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर अलग होने वाले धड़े को मान्यता नहीं देने का अनुरोध किया**

पर संसद की भी सदस्यता चली जाती है।

अभिषेक बनर्जी को इससे पहले 15 जून को लोकसभा अध्यक्ष से मिलना था। लेकिन कोलकाता में ईडी के समन के कारण मुलाकात संभव नहीं हो पाई। लोकसभा अध्यक्ष ने उन्हें आज 5 बजे मिलने का समय दिया था। मुलाकात के दौरान अभिषेक के साथ कल्याण बनर्जी, सौगत राय, महुआ मोइत्रा और डेरेक ऑ ब्रायन भी थे।

लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में अभिषेक बनर्जी ने बताया कि उन्होंने पार्टी से अलग होने की बात कहने वाले धड़े को मान्यता नहीं दिए जाने का अनुरोध किया। उन्होंने इसके पक्ष में दो तर्क रखे। उन्होंने कहा कि पार्टी के अलग समूह बनाने वाले सदस्यों में से कुछ ने दूसरी पार्टी जॉइन की है। ऐसे में वे तृणमूल कांग्रेस के सदस्य नहीं रहे।

नीट री-एग्ज़ाम अभ्यर्थियों के लिए एनटीए ने एडवायज़री जारी की

एडवायज़री में ड्रैस कोड के अलावा कौन सी वस्तुएं ले जा सकते हैं, कौन सी नहीं, यह भी बताया गया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जून। नैशनल टैस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने नीट यूजी 2026 के 21 जून को होने वाले री-एग्जाम में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के लिए एक एडवाइज़री जारी की है, जिसमें परीक्षा केन्द्रों पर पालन किए जाने वाले ड्रेस कोड, अनुमति प्राप्त वस्तुएं और सुरक्षा प्रोटोकॉल की जानकारी दी गई है। एजेंसी ने उम्मीदवारों से अपील की है कि वे परीक्षा के सुचारु और सुरक्षित संचालन के लिए सभी निर्देशों का पालन करें।

- **दिशा-निर्देशों के अनुसार, पारदर्शी पानी की बोतल ले जा सकते हैं, एडमिट कार्ड को प्लास्टिक के पाउच में रख सकते हैं, पर किसी भी प्रकार के इलैक्ट्रोनिक उपकरण, मोबाइल फोन, इयर फोन, स्मार्ट वॉच, बड़े बैल्ट बकल, धातु के आभूषणों आदि पर रोक है।**
- **इसके अलावा अभ्यर्थी चाहे तो धार्मिक चिन्ह कलावा, पगड़ी, हिजाब आदि पहन सकता है, पर इसके लिए उन्हें निर्धारित समय से पहले आना होगा ताकि उनकी तलाशी प्रक्रिया हो सके।**
- **हाई हील के जूते-चप्पल भी पहने जा सकते हैं और पूरी बाजू के वस्त्र या गर्म कपड़ों की भी अनुमति है, पर इनकी भी विशेष तलाशी होगी।**

परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के लिए निम्न दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं- पानी की पारदर्शी बोतल परीक्षा हॉल के अंदर ले जाने की अनुमति है। उम्मीदवार अपना एडमिट कार्ड बारिश में भीगने या किसी अन्य नुकसान से बचाने के लिए पारदर्शी प्लास्टिक पाउच में ले जा सकते हैं। उम्मीदवार आस्था से जुड़े वस्त्र या प्रतीक पहन सकते हैं, जैसे धार्मिक प्रतीक, कलावा, पगड़ी, हिजाब आदि। लेकिन, इसके लिए उन्हें समय से पहले परीक्षा केन्द्र पर रिपोर्ट करना होगा, ताकि उचित जांच (फ्रिस्किंग) की जा सके। बेहतर होगा कि हल्के कपड़े पहनें, लेकिन आवश्यकता होने पर उम्मीदवार फुल स्लीव कपड़े या ऊनी वस्त्र पहन सकते हैं, लेकिन उनकी अतिरिक्त सुरक्षा जाँच होगी। इसी प्रकार, चप्पल और कम हील वाले जूते पहनना बेहतर है। लेकिन हाई हील जूते भी पहने जा सकते हैं, किन्तु इन उम्मीदवारों की अतिरिक्त जांच हो सकती है।

एनटीए ने परीक्षा हॉल में इन वस्तुओं को ले जाने पर रोक लगाई है: मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, ईयरफोन, किसी भी प्रकार के संचार उपकरण, धातु की वस्तुएं, बड़े बेल्ट बकल, भारी आभूषण तथा अन्य ऐसी वस्तुएं, जो सुरक्षा जांच में बाधा डाल सकती हैं परीक्षण एजेंसी ने कहा है कि परीक्षा हॉल में प्रवेश से पहले, सभी उम्मीदवारों की अनिवार्य रूप से तलाशी (फ्रिस्किंग) ली जाएगी। उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे निर्धारित रिपोर्टिंग समय पर अपने परीक्षा केन्द्र पहुंचें, ताकि सुरक्षा जांच समय पर पूरी हो सके और अंतिम समय की परेशानी से बचा जा सके।

राहुल अब मुस्कुराकर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)?

तमिलनाडु में कांग्रेस को एक नया सहयोगी मिल गया है और कई दशकों बाद कांग्रेस राज्य की सत्ता का हिस्सा बनी है।

मुलायम सिंह यादव अब इस दुनिया में नहीं हैं और अखिलेश यादव राहुल गांधी के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं, क्योंकि उन्हें कांग्रेस के मुस्लिम, दलित और कमजोर वर्गों के वोटों की आवश्यकता है।

लालू यादव भी अपने राजनीतिक जीवन के अंतिम चरण में हैं और उनके पुत्र तेजस्वी यादव ने राहुल गांधी को नेता के रूप में स्वीकार कर लिया है।

पिछले एक वर्ष में हुए इन बदलावों ने विपक्ष के बीच राहुल गांधी की स्थिति और छवि को मजबूत करने का काम किया है।

शिक्षा क्षेत्र, नीट, सीबीएसई, बेरोजगारी और युवाओं से जुडे मुद्दों पर मोदी सरकार के खिलाफ राहुल गांधी के हालिया हमलों को नई पीढ़ी, यानी जनरेशन-ज़ैड का समर्थन मिल रहा है। यह वही युवा वर्ग है, जो उभरते हुए भारत का प्रतिनिधित्व करता है लेकिन वर्तमान परिस्थितियों से नाराज़ तथा निराश है।

कांग्रेस के अधिक से अधिक कार्यकर्ता और नेता राहुल गांधी को भारत का अगला प्रधानमंत्री बनने की शुभकामनाएं दे रहे हैं और अब वे इसे मुस्कुराकर स्वीकार कर रहे हैं।

उन्होंने 2004 में राजनीति में प्रवेश किया, लोकसभा चुनाव लड़ा और सांसद बने। तब से अब तक उनकी राजनीतिक यात्रा लंबी, कठिन और उतार-चढ़ाव से भरी रही है, जिसमें उपलब्धियों से अधिक असफलताएं रही हैं। लेकिन आज उनके 56वें जन्मदिन के समारोह में वे जिस आत्मविश्वास और दृढ़ता से भरे दिखाई दिए, उससे स्पष्ट था कि पार्टी के भीतर और बाहर, दोनों जगह वे अब अपनी स्थिति को लेकर पहले से कहीं अधिक आश्वस्त हैं।

संभव है कि वे अगले एक-दो दिन में विदेश यात्रा पर चले जाएं, लेकिन पिछले वर्ष से वे अपना जन्मदिन कांग्रेस पार्टी के साथ ही मना रहे हैं।

अमेरिका-ईरान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिसमें 18 लोगों की मृत्यु हुई। ईरान ने लेबनान में हिंसा और हमलों को रोकने की शर्त के उल्लंघन की ओर इशारा किया, जिसे समझौते को अंतिम रूप देने के लिए आवश्यक माना गया था।

इसके बाद, ईरान जिनेवा वार्ताओं से अलग हो गया, वार्ता में शामिल होने के लिए उपराष्ट्रपति वेंस शुक्रवार को स्विट्ज़रलैंड जाने वाले थे। ईरान के हटने के बाद वेंस को अपना स्विट्ज़रलैंड दौरा रद्द करना पड़ा और स्थिति फिर से पहले जैसी अनिश्चित हो गई है।

इज़रायल और हिज़्बुल्लाह, दोनों ही ईरान और अमेरिका के बीच की वार्ता प्रक्रिया से स्वयं को बाहर महसूस कर रहे थे, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच समझौता लगभग अंतिम चरण में था। इज़रायल का मानना था कि उसे शामिल नहीं किया गया, जबकि हिज़्बुल्लाह को लगा कि उसका समर्थक रहा ईरान उसके हितों को नज़रअंदाज़ कर समझौता कर रहा है।

वार्ता के बाधित होने से विश्व और कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं और लोगों की खुशहाली पर गंभीर प्रभाव पड़ सकते हैं। युद्ध और तनाव के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ से तेल की आपूर्ति रुक गई थी, जिससे तेल की कीमतें बढ़कर लगभग 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँच गई थीं।

भारत भी ईरान संकट से गंभीर रूप से प्रभावित हुआ, क्योंकि तेल और खासकर एलएनजी (ससोई गैस) की आपूर्ति लगभग बंद हो गई थी। युद्ध शुरू होने के बाद रसोई गैस की कीमतें तेजी से बढ़ीं, जिससे भारतीय परिवारों पर आर्थिक दबाव बढ़ गया।

आज एक टैंकर भारत पहुँचा है, जो स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ के रास्ते तेल लेकर आया है। शुक्रवार को 25 जहाज़ इस जलमार्ग से गुज़रे, जो पहले की तुलना में बड़ा सुधार है, जब लगभग कोई आवाजाही संभव नहीं थी। ईरान ने कहा है कि वह इस जलमार्ग से गुजरने वाले जहाज़ों को मुफ्त समुद्री सेवाएँ प्रदान करेगा।

अमेरिका-ईरान समझौते के अनुसार, समुद्री मार्ग पूरी तरह से खोला जाना था और ईरान बिना किसी शुल्क के जहाज़ों को गुजरने देगा। यह वही व्यवस्था थी जो युद्ध शुरू होने से पहले थी।

चौदह बिंदुओं वाले इस समझौते में ईरान की परमाणु कार्यक्रम ने आगे न बढ़ाने की प्रतिबद्धता, नुकसान की भरपाई और ईरानी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए 300 अरब डॉलर का पुनर्निर्माण कोष, और अमेरिका द्वारा सभी प्रतिबंध हटाने का प्रावधान शामिल था।

यह समझौता ईरान को कई रियायतें देता है, जिसमें सभी प्रतिबंधों का हटना और वैश्विक बाजारों तक पहुंच बहाल होना शामिल है। लेकिन अब हिज़्बुल्लाह की कार्रवाई के कारण ईरान इन लाभों को खोने की स्थिति में है।

दूसरी ओर, इज़रायली सरकार पर दक्षिणपंथी समूहों का भारी दबाव है, जो इज़रायली सैनिकों की मौत के लिए हिज़्बुल्लाह को कठोर सज़ा देने की मांग कर रहे हैं।

दोनों पक्षों का रुख सख्त होने के कारण, शांति प्रक्रिया के बाधित होने की आशंका और बढ़ गई है।

कॉकरोच जनता पार्टी का जंतर-मंतर पर प्रदर्शन आज

नई दिल्ली, 19 जून। नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और उससे जुड़े विवादों के बीच कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक खुला पत्र लिखकर छात्र आत्महत्याओं के मामलों में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। पार्टी ने 20 जून से दिल्ली के जंतर-मंतर पर

- **पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने प्रधानमंत्री को छात्र आत्महत्याओं पर खुला पत्र लिखा।**

प्रदर्शन का ऐलान किया है।

प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में अभिजीत दीपके ने दावा किया है कि हाल के दिनों में परीक्षा संबंधी तनाव और कथित पेपर लीक की घटनाओं के कारण कई छात्रों ने आत्महत्या की है। उन्होंने मांग की कि ऐसे छात्रों के परिवारों को केंद्र सरकार की ओर से एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए।

पत्र में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की जवाबदेही तय करने की मांग भी उठाई गई है। कॉकरोच जनता पार्टी के अनुसार, कल यानी 20 जून से जंतर-मंतर पर छात्र और समर्थक एकत्र होंगे।

पार्टी का कहना है कि देशभर से छात्र इस आंदोलन में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंच रहे हैं।

कांग्रेस के साथ विलय का सवाल ही नहीं- उद्धव ठाकरे

मुंबई, 19 जून। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपनी पार्टी के 60वें स्थापना दिवस पर विरोधियों को करारा जवाब दिया है। मुंबई में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में उन्होंने कांग्रेस के साथ पार्टी के विलय की खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया। उद्धव ठाकरे ने दो टूक शब्दों में कहा कि जब हमने 30 साल के गठबंधन के बाद भी भाजपा के साथ अपनी पार्टी का विलय नहीं किया, तो फिर कांग्रेस के साथ विलय करने का सवाल ही पैदा नहीं होता।

अपनी पार्टी के छह लोकसभा सांसदों की बगावत के बीच शिवसेना-

- **उद्धव ठाकरे ने स्थापना दिवस पर कहा कि अगर पार्टी को मुझ पर विश्वास नहीं है तो पद छोड़ दूंगा।**

यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को भावुक होते हुए कहा कि चुनौतियों और हमलों के बावजूद मेरा संकल्प कमजोर नहीं पड़ा है, लेकिन अगर पार्टी को मुझ पर भरोसा नहीं है, तो मैं अपना पद छोड़ने को तैयार हूं। उन्होंने कहा, मैं किसी भी योग्य व्यक्ति को शिवसेना का अध्यक्ष बनाने के लिए तैयार हूं। मैं संघर्ष से पीछे हटने वाला नहीं हूं, लेकिन जिस दिन आपको लगे कि मैं इस जिम्मेदारी के लिये सही आदमी नहीं हूं, उसी दिन यह पद छोड़ दूंगा।

उद्धव ठाकरे ने भाजपा और कांग्रेस की राजनीति की तुलना करते हुए एक बेहद महत्वपूर्ण बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के साथ हमारे हमेशा से तीखे राजनीतिक मतभेद रहे हैं। विचारों की यह लड़ाई जगजाहिर है। लेकिन कांग्रेस ने कभी भी शिवसेना को जड़ से खत्म करने की कोशिश नहीं की। इसके विपरीत, भाजपा आज शिवसेना का नामोनिशान मिटाने पर तुली हुई है।

राष्ट्रीय सुरक्षा की हर समस्या ताकत से हल नहीं होती- उपराष्ट्रपति वैंस

अमेरिका-ईरान समझौते पर इज़रायल की आलोचनाओं पर अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने तीखी प्रतिक्रिया दी

वॉशिंगटन, 19 जून। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इज़रायल और ईरान के बीच 108 दिनों तक चले युद्ध के बाद अमेरिका-ईरान परमाणु समझौता वार्ता को लेकर इज़रायल की आलोचनाओं पर अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने गुरुवार को प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि हर राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी समस्या को ताकत का इस्तेमाल कर हल नहीं किया जा सकता।

तुर्किए की सरकारी संवाद समिति अनाडोलू एजेंसी के अनुसार, एक इंटरव्यू में अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि इज़रायल में इस समझौते को लेकर जो घबराहट और विरोध देखने को मिल रहा है, वह काफी हद तक अविश्वास और गलतफहमियों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने लंबे समय से इज़रायल का विश्वसनीय साझेदार होने का प्रमाण दिया है और यह मानना कि वॉशिंगटन ने कोई खराब समझौता किया है, तथ्यों से मेल नहीं खाता।

जेडी वैंस ने कहा कि इज़रायल की राजनीतिक व्यवस्था और जनता का एक बड़ा वर्ग इस समझौते को लेकर बेहद

- **तुर्किये की सरकारी संवाद एजेंसी को इन्टरव्यू में जेडी वैंस ने कहा कि इज़रायल में इस समझौते पर घबराहट और विरोध काफी हद तक अविश्वास व गलतफहमियों पर आधारित है।**

संवेदनशील है। उन्होंने विशेष रूप से इज़राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर और वित्त मंत्री बेज़लेल स्मोट्रिच का उल्लेख करते हुए कहा कि जो नेता इस समझौते की आलोचना कर रहे हैं, उन्हें यह भी बताना चाहिए कि उनके पास वैकल्पिक समाधान क्या है।

उन्होंने कहा, "आप 90 लाख लोगों का देश हैं। आप अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी हर समस्या को केवल लोगों को मारकर या ताकत का इस्तेमाल कर हल नहीं कर सकते।"

अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने दावा किया कि यह समझौता न केवल इज़रायल बल्कि पूरे मध्य पूर्व क्षेत्र और दुनिया के लिए लाभदायक साबित हो सकता है। उनके अनुसार, इस प्रक्रिया ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को काफी हद तक कमजोर किया है और तेहरान को ऐसी रियायतें देने की स्थिति में पहुंचाया है, जो कुछ महीने पहले तक असंभव लगती थीं।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वैंस का बयान ऐसे समय में आया है जब इज़रायल और ईरान के बीच तनाव बना हुआ है और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंताएं जारी हैं।

स्टालिन ने भी राहुल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिखाः ''भारत के विचार, हमारे संविधान और संघवाद की रक्षा के लिए हमारा साझा संकल्प हमें मार्गदर्शन देता रहेगा-यह हमारे लोकतंत्र की आत्मा की लड़ाई है, और हम इसे साथ मिलकर तब तक लड़ते रहेंगे, जब तक जीत नहीं मिलती।''

यह उत्तर राहुल गांधी की ओर से उस अलग हुए सहयोगी के लिए एक संधि संदेश (ऑलिव ब्रान्च) माना जा रहा है, खासकर उस स्थिति में, जब कांग्रेस ने तमिलनाडु चुनावों के बाद टीवीके के साथ जाने का निर्णय ले लिया है।

कांग्रेस के इस कदम से नाराज डीएमके ने पार्टी से संबंध तोड़ लिए हैं और इंडिया गठबंधन से भी दूरी बना ली है। पार्टी ने इस महीने की शुरुआत में हुई इंडिया ब्लॉक की बैठक में भी भाग नहीं लिया और लोकसभा अध्यक्ष को यह पत्र भी लिखा है कि उसे सदन में नई बैठक व्यवस्था चाहिये, क्योंकि वह कांग्रेस सांसदों के साथ बैठना नहीं चाहती।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के नए मित्र जोसेफ विजय ने भी राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं और उन्हें ''भाई'' कहा। इससे स्टालिन द्वारा 2025 में राहुल के जन्मदिन पर दी गई शुभकामना याद आ गई।

विजय ने लिखाः ''आप, जो हमारे महान राष्ट्र भारत के विकास, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए अपनी आवाज उठाते रहते हैं, मैं आपको अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु, आपके सभी प्रयासों में सफलता और सार्वजनिक जीवन में उत्कृष्ट सेवा की कामना करता हूँ।''

राहुल गांधी ने विजय को जवाब देते हुए लिखाः हम संविधान और हमारे लोकतंत्र को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता में एकजुट हैं-और साथ मिलकर हम तमिलनाडु के लोगों के कल्याण, गरिमा और आकांक्षाओं के लिए काम करते रहेंगे।

जहाँ स्टालिन और विजय के पोस्ट कांग्रेस के साथ उनके बदलते संबंधों को दिखाते हैं, वहीं राहुल गांधी के जवाब भी एक अलग कहानी कहते हैं।

विजय को उन्होंने तमिलनाडु स्तर पर काम जारी रखने का आश्वासन दिया, जबकि स्टालिन को उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भारत के विचार की रक्षा के साझा संकल्प का संदेश दिया।

यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या डीएमके राहुल गांधी के ''एकता'' के आ ान को राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार करेगी। डीएमके के पास लोकसभा में 22 सांसद हैं और वह विपक्षी राजनीति में एक महत्वपूर्ण शक्ति है। खासकर तृणमूल और यूबीटी सेना के विघटन के बाद, कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के लिए डीएमके के समर्थन के बिना प्रमुख भाजपा विधेयकों को रोकना कठिन होगा।

आने वाले सप्ताह यह बताएंगे कि स्टालिन भाजपा की विपक्षी दलों को विभाजित करने के कुत्सित खेल को कैसे देखते हैं और क्या वे मोदी-शाह के साथ मिलकर अल्पकालिक राजनीतिक लाभ लेने के बजाय, दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाते हैं।

शासन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को पहली बार जमानती वारंट जारी करते हुए 12 जून को तलब किया था, लेकिन कार्यालय बंद होने की वजह से वारंट की तामील नहीं हो सकी। ऐसे में अगली सुनवाई पर बेंच ने फिर से आईएएस को जमानती वारंट जारी करते हुए 1 जुलाई को तलब किया है।

पिछली सुनवाई पर बेंच ने कहा कि हमने विभाग के शासन सचिव अंबरीश कुमार को सम्मन जारी करते हुए 8 जून को बेंच के समक्ष उपस्थित होने के निर्देश दिए थे। सम्मन की तामील होने के बावजूद, शासन सचिव उपस्थित नहीं हुए और न ही अनुपस्थिति का कोई कारण बताया गया। यह न्यायिक आदेशों की अवहेलना है। ऐसे में शासन सचिव को जमानती वारंट जारी किए जाते हैं।

'राम मंदिर के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा के लिए नुकसानदेह दिख रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि पार्टी के अपने नेताओं ने भी इस मुद्दे को उठाया है। विवाद तब और बढ़ गया, जब समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक पवन पांडेय ने दावा किया कि कम से कम 7 करोड़ रुपये की दान राशि का गबन किया गया है। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने अदालतों से इन आरोपों पर संज्ञान लेने की अपील की है, जबकि भाजपा के कुछ नेताओं ने भी इस विवाद को और हवादी है।

भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने हाल ही में दावा किया कि उन्हें दान राशि के कथित दुरुपयोग की जानकारी है, लेकिन उन्होंने सार्वजनिक रूप से इसका विवरण देने से इनकार कर दिया। भाजपा के वरिष्ठ नेता रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर ट्रस्ट के वित्तीय मामलों में अधिक पारदर्शिता की मांग की है।

उन्होंने दान, खर्च, संपत्तियों, बैंक खातों और भूमि लेन-देन का विवरण सार्वजनिक रूप से जारी करने की मांग करते हुए कहा कि मंदिर में दान देने वाले श्रद्धालुओं को यह जानने का अधिकार है कि उनकी भेंट का उपयोग कैसे किया जा रहा है।

इस बीच, नृपेन्द्र मिश्रा ने नकदी, सिक्कों और कीमती धातुओं सहित विभिन्न प्रकार के दानों के प्रबंधन में गंभीर कमियों की ओर ध्यान दिलाया है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रबंधन व्यवस्था के दो मूल आधार, ईमानदारी और निगरानी होते हैं, लेकिन इस मामले में दोनों स्तरों पर विफलता दिखाई दी है। पूर्व नौकरशाह ने कहा कि इस पूरे मामले से उन्हें बहुत दुख हुआ है, विशेषकर इसलिए क्योंकि यह विवाद ऐसे समय सामने आया है, जब राम मंदिर प्रोजेक्ट अपने अंतिम चरण में पहुँच चुका है।

जहाँ ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का कहना है कि धन के गायब होने का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है, वहीं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इसी महीने उत्तर प्रदेश सरकार से विस्तृत और निष्पक्ष जांच की मांग की थी। इसके बाद, उत्तर प्रदेश सरकार ने 13 जून को तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया।

वरिष्ठ अध्यापक परीक्षा में बैठने वाला डमी परीक्षार्थी गिरफ्तार

आरोपी राजकीय महाविद्यालय रानीवाड़ा में लैब असिस्टैंट है और मूल प्रत्याशी की जगह परीक्षा में बैठा था

जयपुर, 19 जून। स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) द्वितीय श्रेणी प्रतियोगी परीक्षा-2022 में डमी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा पास कराने के मामले में कार्रवाई करते हुए, एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी महेन्द्र कुमार मूल अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा में बैठा था। चौंकाने वाली बात यह है कि महेन्द्र कुमार स्वयं सरकारी कर्मचारी है और जालौर जिले के राजकीय महाविद्यालय रानीवाड़ा में लैब असिस्टेंट के पद पर कार्यरत था।

- **एसओजी के अनुसार, मध्यस्थ रामहंस मीना के जरिए सत्य प्रकाश मीना और महेन्द्र कुमार के बीच 6 लाख रूपए में डमी के रूप मे परीक्षा देने का सौदा हुआ। महेन्द्र कुमार ने सत्य प्रकाश के स्थान पर सामान्य ज्ञान और शैक्षिक मनोविज्ञान की परीक्षा दी।**

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 में डमी अभ्यर्थी बैठाने के मामले की जांच के दौरान, महेन्द्र कुमार (30), निवासी खिरोड़ी, जिला जालौर, की भूमिका सामने आई। आरोपी को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की जा रही है तथा पूरे गिरोह के अन्य सदस्यों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

जांच में सामने आया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) द्वारा आयोजित वरिष्ठ अध्यापक (विज्ञान) भर्ती परीक्षा में मूल अभ्यर्थी सत्य प्रकाश मीना (32), निवासी मोहनपुरा जिला गंगापुर सिटी, ने स्वयं परीक्षा नहीं दी थीं। उसने परीक्षा पास करने के लिए डमी परीक्षार्थियों की मदद ली थी।

एसओजी के अनुसार, मध्यस्थ रामहंस मीना के जरिए सत्य प्रकाश मीना और महेन्द्र कुमार के बीच छह लाख रुपए में सौदा तय हुआ था। इसके तहत, 29 जनवरी 2023 को भरतपुर स्थित श्री अग्रसेन महिला विद्यापीठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल परीक्षा केन्द्र पर महेन्द्र कुमार ने सत्यप्रकाश मीना के स्थान पर सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक मनोविज्ञान विषय की परीक्षा दी थी।

एसओजी जांच में यह भी सामने आया कि डमी अभ्यर्थियों की मदद से परीक्षा उत्तीर्ण कर सत्यप्रकाश मीना का वरिष्ठ अध्यापक (विज्ञान विषय) पद पर चयन हो गया था। लेकिन आरपीएससी में शिकायत पहुंचने के कारण उसका नियुक्ति पत्र जारी नहीं हो सका। एसओजी इस मामले में मुख्य अभ्यर्थी सत्य प्रकाश मीना को 28 दिसंबर 2023 को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II. New Delhi-110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. #Based on the testing report of Govt. certified agency. Actual mileage may vary as per riding conditions. ^As per internal testing under standard conditions and may vary as per road & riding conditions. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any or all offers without prior notice. *Ex-showroom price of Super Splendor Xtec2.0 applicable in Rajasthan. T&C Apply.

TOLL FREE
1800 266 0018

अधिकृत डीलर: कोटा: कोटा हीरो, 9289922193, 6367380041, चम्बल हीरो, 9289923012, 2504062, बूंदी: शिवम हीरो, 9289922540, बारां: के.के. हीरो, 9289923200, झालरापाटन: महादीप हीरो, 9289232404, एसोशिएट डीलर: कोटा: कोटा मोटर कम्पनी प्रा.लि., 9289922193, चम्बल मोटर्स प्रा.लि., 9214036062, 9214436023, 9116160555, रामगंज मण्डी: बगडिया ऑटो सेल्स, 8690937703, अकलेरा: सोनू मोटर्स, 9414194741, केशवरायपाटन: गोपाल मोटर्स, 7014418006, छाबड़ा: एम.के. मोटर्स, 8003169644, कैलाश मोटर्स, 9166171616, छीपाबडौद: स्पीड लिंक आटो, 9462491317, नैनवाँ: जैन आटोमोबाईल्स, 9460194414, नाहरगढ़: शुभम मोटर्स, 9521511336, अन्ता: हुसैन मोटर्स, 9694816652, सुल्तानपुर: नामा सेल्स कॉर्पोरेशन, 6378910321, एक्सटेंशन काउंटर- कोटा: चंबल ऑटोमोटिव (श्रीनाथपुरम), 9289923012, डाबी: हरसोरा मोटर्स, 9610446556, तालेड़ा: गुरुकृपा इंटरप्राइजेज, 9929134999, देई: धाकड़ ऑटोमोटिव, 9549850666, कवाई सालपुरा: एसएस तिवारी मोटर्स, 9929191766, हरनावदा शाहजी: आर.डी. तिवारी मोटर्स, 9571887243, लाखेरी: एलीट मोटर्स, 8890902559, सुनेल: शिव्या ऑटोमोबाइल्स, 7340280001, (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बारां: के.के. मोटर्स, 9289923200